लखनऊ

गुरुवार, 4 सितम्बर, 2025

वर्ष : 11 | अंक: 55

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

बहुत ही खूबसूरत शब्द लिखे थे, दुनिया में छोड़ने जैसा कुछ है तो, दुसरों को नीचे दिखाना छोड़ दो.

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi

NIGHT 26° Low

योगी का 'विकसित भारत' मंत्र: युवा शक्ति बनाएगी देश को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है और अगले दो वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है, जबकि वर्तमान में यह चौथे स्थान पर है। मुख्यमंत्री आईआईटी कानपुर में 'समन्वय' के माध्यम से उद्योग-अकादमिक संपर्क कार्यक्रम में छात्रों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा और स्थिरता पर विभिन्न तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएँगे और उन सभी मुद्दों पर चर्चा की जाएगी, जिन्हें लेकर आज आम नागरिक समाज, देश और दुनिया चिंतित है और उनका लाभ उठाकर आगे बढ़ना चाहता है।

भारत की ऐतिहासिक आर्थिक स्थिति पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में भारत का योगदान 25% था। एक सदी बाद, भारत दूसरे नंबर पर पहुँच गया, जबकि चीन शीर्ष पर रहा; हालाँकि, पिछले 150-200 वर्षों में, एक महत्वपूर्ण घटना घटी जिसके कारण भारत की रैंकिंग में लगातार गिरावट आई। 1947 तक, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में भारत का योगदान केवल 2 प्रतिशत रह गया। उन्होंने आगे कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं और अब यह विश्व स्तर पर सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनकर उभरा है।

उन्होंने आगे कहा कि आज हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं और अगले दो वर्षों में हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएँगे। आप सभी भारत को दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में बड़ी भूमिका निभाएँगे। इस बीच, मंगलवार को चेन्नई में सिटी यूनियन बैंक के 120वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए, अध्यक्ष द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि किसानों का सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मज़बूत करना भारत के बैंकिंग क्षेत्र की प्राथमिकता होनी चाहिए।

अध्यक्ष मुर्मू ने यह भी कहा कि बैंक एमएसएमई को विकास के इंजन में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा, 'स्टार्ट-अप से लेकर स्मार्ट शहरों तक, ऐसे कई क्षेत्र हैं जिनमें बैंक मदद कर सकते हैं। बैंक एक विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदार बन सकते हैं।' वित्तीय सेवाओं में उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद, राष्ट्रपति ने बताया कि डिजिटल साक्षरता, इंटरनेट पहुँच और वित्तीय जागरूकता जैसे क्षेत्रों में चुनौतियाँ बनी हुई हैं।

मोदी सरकार तब तक चैन से नहीं बैठेगी जब तक ..., अमित शाह का नक्सलियों को दो टूक

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक बार फिर नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया और कहा कि जब तक सभी नक्सली आत्मसमर्पण नहीं कर देते, पकड़े नहीं जाते या उनका सफाया नहीं कर देते, तब तक सरकार चैन से नहीं बैठेगी। गृह मंत्री ने यह टिप्पणी नई दिल्ली में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), छत्तीसगढ़ पुलिस, जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और कोबरा के जवानों से मुलाकात और उन्हें सम्मानित करते हुए की, जिन्होंने हाल ही में छत्तीसगढ़ के कर्रेगुट्टालु पहाड़ी पर 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' को सफलतापूर्वक अंजाम दिया था। शाह ने कर्रेगुट्टालु पहाड़ी पर अब तक के सबसे बड़े नक्सल विरोधी अभियान 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' को सफल बनाने में वीरता दिखाने के लिए सभी सुरक्षाकर्मियों को बधाई दी। 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' के दौरान जवानों की बहादुरी और पराक्रम को नक्सल विरोधी अभियानों के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में याद किए जाने का उल्लेख करते हुए, शाह ने कहा, 'मोदी सरकार तब तक चैन से नहीं बैठेगी जब तक सभी नक्सली आत्मसमर्पण नहीं कर देते, पकड़े नहीं जाते या उनका सफाया नहीं कर देते।' छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की उपस्थिति में राष्ट्रीय राजधानी में जवानों के साथ बैठक के दौरान शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम भारत को नक्सल मुक्त बनाएंगे।

संक्षेप

हिमाचल से लेकर ओडिशा तक अगले 3 घंटे होगी भारी बारिश, आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को देश के कई राज्यों में भारी बारिश के लिए अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के मुताबिक, अगले 3 घंटों के दौरान जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तर-पश्चिम और पूर्वी मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में भारी बारिश का पूर्वानुमान है। आईएमडी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से इसकी जानकारी दी है। मौसम विभाग ने कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। आईएमडी के मुताबिक, अगले 3 घंटों के दौरान जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तरी पंजाब, उत्तरी हरियाणा, पूर्वी राजस्थान, दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश, उत्तर-पश्चिम और पूर्वी मध्य प्रदेश और ओडिशा में मध्यम से तेज बारिश हो सकती है। आईएमडी ने जानकारी दी है कि उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बुधवार सुबह 5 :30 बजे तक उसी क्षेत्र में स्पष्ट रूप से चिह्नित हो गया है। यह अगले 24 घंटों में पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में ओडिशा की ओर बढ़ने की संभावना है। इस सिस्टम के प्रभाव से ओडिशा और आसपास के क्षेत्रों में भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने पिछले 24 घंटे में जम्मू-कश्मीर में हुई भारी बारिश के बारे में भी जानकारी दी। आईएमडी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में 2 सितंबर 2025 की सुबह 8 :30 बजे से 3 सितंबर 2025 की सुबह 5 :30 बजे तक रिकॉर्ड बारिश दर्ज की गई है। जम्मू-कश्मीर के रियासी में 230 .5 मिमी (अत्यधिक भारी बारिश), कटरा में 193 मिमी, बटोत में 157 .3 मिमी, डोडा में 114 मिमी, बदरवाह में 96 .2 मिमी, बनिहाल में 95 मिमी, रामबन में 82 मिमी, जम्मू वेधशाला में 81 मिमी, कोकेरनाग में 68 .2 मिमी, काजीगुंड में 68 मिमी, राजौरी में 57 .4 मिमी, पहलगाम में 55 मिमी, किश्तवाड़ में 50 मिमी, सांबा में 48 मिमी और श्रीनगर वेधशाला में 32 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

पीएम मोदी की मां के अपमान का बदला चुन-चुन कर लेंगे, राहुल-तेजस्वी को देंगे जवाब: मंत्री

गया। बिहार सरकार के राजस्व मंत्री संजय सरावगी बुधवार को गया पहुंचे, जहां वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा विष्णुपद मंदिर के गर्भगृह में आयोजित पूजा-अर्चना कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए राजस्व मंत्री संजय सरावगी ने कहा कि जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता का अपमान किया गया है, उसका बदला हम चुन-चुन कर लेंगे। देश और बिहार के लोग इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे, चाहे वह ईवीएम से बदला लेने की बात हो या किसी और तरीके से। जानकी माता और बिहार की धरती पर, प्रधानमंत्री की माता जिनका अब इस दुनिया में नहीं है, उनका अपमान किया गया है। मैं वहां से विधायक हूं और बिहार की जनता इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। इसी को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक महिला गठबंधन द्वारा चार सितंबर आक्रोश मार्च का आयोजन किया गया है। इसका संदेश यह है कि बिहार की महिलाएं और लोग इस घटना को बर्दाश्त नहीं करेंगे। मंत्री ने कहा कि मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि जब भी जहां भी मौका मिलेगा, हम राहुल गांधी और तेजस्वी यादव को चुन-चुन कर जवाब देंगे।

राजा भैया के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले सपा नेता पर शिकंजा, गुलशन यादव पर इनाम राशि बढ़कर हुई 1 लाख ; दर्ज हैं 53 केस

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष और कुंडा के पूर्व चेयरमैन गुलशन यादव की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। लंबे समय से फरार चल रहे गुलशन यादव पर अब प्रयागराज जोन के अपर पुलिस महानिदेशक (रष्ठत्र) ने इनाम की राशि 50 हजार से बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दी है। गुलशन यादव पर हत्या के प्रयास, रंगदारी और गैंगस्टर एक्ट जैसे 53 संगीन आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, मानिकपुर थाना क्षेत्र के मऊदारा गांव निवासी गुलशन यादव पर 53 आपराधिक मामले दर्ज हैं। उस पर गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई हो चुकी है, जिसके तहत जिला मजिस्ट्रेट ने उसकी संपत्तियों को कुर्क करने का आदेश दिया था। इसी मामले में वह काफी दिनों से फरार चल रहा है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है, लेकिन अब तक सफलता हाथ नहीं लगी है।

पहले गुलशन यादव की गिरफ्तारी के लिए आईजी प्रयागराज ने 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। लेकिन उसकी गिरफ्तारी न हो पाने के कारण सोमवार को अपर पुलिस महानिदेशक, प्रयागराज जोन, संजीव गुप्ता ने इस राशि को दोगुना करते हुए एक लाख रुपये कर दिया। कुंडा कोतवाल अवन कुमार दीक्षित ने पुष्टि करते हुए बताया कि एडीजी जोन द्वारा गुलशन यादव की गिरफ्तारी पर अब एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया है।

गौरतलब है कि गुलशन यादव तब सुर्खियों में आया था जब उसने कुंडा विधानसभा सीट से विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के खिलाफ समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा था, हालांकि उसे हार का सामना करना पड़ा था।

पंजाब में बाढ़ का भयावह रूप! 30 मौतें, 1400 गांव जलमग्न, लाखों लोग बेघर हुए, स्कूल-कॉलेज 7 सितंबर तक बंद

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब में भारी बारिश जारी है। भाखड़ा सहित विभिन्न बांधों से नियंत्रित मात्रा में पानी छोड़े जाने के बाद राज्य में बाढ़ की स्थिति और बिगड़ गई है। बाढ़ में कम से कम 30 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि पाँच लाख से ज़्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 1,400 गाँव जलमग्न हो गए हैं। आधिकारिक आँकड़े बताते हैं कि बाढ़ ने पंजाब के 23 जिलों को बुरी तरह प्रभावित किया है, जिससे 1,400 से ज़्यादा गाँव और 3,50,000 से ज़्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। राज्य के बारह ज़िले बुरी तरह प्रभावित हैं। सबसे ज़्यादा प्रभावित ज़िलों में पठानकोट, गुरदासपुर, अमृतसर और फिरोज़पुर शामिल हैं।

सिर्फ आधार कार्ड ही अकेले नागरिकता का सबूत नहीं', एसआईआर पर सुनवाई के दौरान 'सुप्रीम' टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि आधार को नागरिकता का प्रमाणपत्र मानने की कोशिशें स्वीकार्य नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आधार कार्ड को पहचान पत्र के तौर पर देखा जा सकता है, न कि इसे नागरिकता के लिए माना जा सकता है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने स्पष्ट किया कि आधार पहचान पत्र के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन इसे अकेले नागरिकता साबित करने के लिए नहीं माना जा सकता। पीठ ने कहा, हम आधार की स्थिति को न तो आधार अधिनियम से परे बढ़ा सकते हैं और न ही पुट्टस्वामी मामले के फैसले से आगे ले जा सकते हैं। बता दें कि आधार अधिनियम की धारा 9 में स्पष्ट प्रावधान है कि आधार न तो नागरिकता देता है और न ही निवास का अधिकार। साथ ही, 2018 के पुट्टस्वामी केस में भी सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि आधार नागरिकता का सबूत नहीं है।

दरअसल, बिहार की मतदाता सूची से 65 लाख नाम हटाए जाने के बाद राजद समेत कुछ दलों ने आधार को मतदाता पंजीकरण के लिए अंतिम प्रमाण बनाने की मांग की थी। इस पर कोर्ट ने सख्त लहजे में पूछा, आधार पर इतना जोर क्यों? चुनाव आयोग ने कोर्ट को बताया कि बिहार के कई जिलों में आधार सैचुरेशन 140 प्रतिशत से अधिक है, जो बड़े पैमाने पर फर्जी नामांकन को दर्शाता है। केंद्र सरकार ने भी जानकारी दी कि कई राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या शरणार्थियों ने धोखाधड़ी से आधार कार्ड हासिल कर लिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों को सलाह दी कि वे असली मतदाताओं की मदद के लिए जमीनी स्तर पर काम करें और बूथ लेवल एजेंटों के जरिए दावे-आपत्तियां दाखिल करवाएं, बजाय इसके कि शॉर्टकट ढूंढकर मतदाता सूची को कमजोर करें। अदालत का दो टूक संदेश है कि आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं है। फर्जी मतदाताओं को भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

राज्यों को केंद्र का निर्देश, अवैध घुसपैठियों के लिए बनाएं डिटेंशन सेंटर ; विदेशी न्यायाधिकरण को मिले नए अधिकार

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने अवैध विदेशी घुसपैठियों पर शिकंजा कसते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अपने-अपने क्षेत्रों में डिटेंशन सेंटर (विशेष हिरासत केंद्र) स्थापित करने का निर्देश दिया है। मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक गजट नोटिफिकेशन में यह आदेश दिया गया, ताकि देश से बाहर निकाले जाने से पहले अवैध घुसपैठियों की गतिविधियों को सीमित किया जा सके और उन्हें इन केंद्रों में रखा जा सके। सरकार ने 'आव्रजन एवं विदेशी आदेश, 2025' के माध्यम से विदेशी न्यायाधिकरणों की शक्तियों में भी विस्तार किया है। इस नए आदेश के तहत, यदि कोई व्यक्ति जिसकी नागरिकता पर संदेह है, वह न्यायाधिकरण के समक्ष पेश होने में विफल रहता है, तो न्यायाधिकरण उसकी हिरासत का आदेश जारी कर सकता है। नोटिफिकेशन में स्पष्ट किया गया कि जो व्यक्ति यह साबित करने के लिए सबूत पेश नहीं कर पाता कि वह विदेशी नहीं है, और अपने दावे के संबंध में जमानत की व्यवस्था करने में भी असमर्थ है तो उसे डिटेंशन सेंटर में रखा जाएगा।

विदेशियों के रोजगार पर भी नए नियम

अधिसूचना में निजी क्षेत्र में विदेशियों को रोजगार देने को लेकर भी सख्त दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। इसके मुताबिक, वैध वर्क वीजा रखने वाला कोई भी विदेशी नागरिक, नागरिक प्राधिकरण की अनुमति के बिना बिजली, पानी या पेट्रोलियम जैसे संवेदनशील क्षेत्रों से जुड़े किसी भी निजी उपक्रम में काम नहीं कर सकेगा। इसके अलावा, रक्षा, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, परमाणु ऊर्जा या मानवाधिकार जैसे क्षेत्रों में किसी विदेशी नागरिक को नियुक्त करने से पहले केंद्र सरकार की पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

नेपाल-भूटान के नागरिकों को राहत

एक अन्य अधिसूचना में यह भी स्पष्ट किया गया है कि नेपाल और भूटान के नागरिकों को जमीन या हवाई मार्ग से भारत में आने-जाने के लिए पासपोर्ट और वीजा की आवश्यकता नहीं है। यह नियम उन तिब्बती शरणार्थियों पर भी लागू होगा जो 1959 के बाद लेकिन 30 मई, 2003 से पहले भारत में प्रवेश कर चुके हैं और संबंधित अधिकारियों के पास पंजीकृत हैं।

हर हर महादेव...जब नशे में धुत यात्री इंडिगो फ्लाइट में लगाने लगा नारे, क्रू मेंबर्स से की बदसलूकी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली से कोलकाता जा रही इंडिगो की उड़ान संख्या 6E 6571 में एक अनियंत्रित यात्री ने विमान में हंगामा मचा दिया। बताया जा रहा है कि शराब के नशे में धुत इस यात्री ने केबिन क्रू के साथ बदसलूकी की और उड़ान के दौरान साथी यात्रियों को परेशान किया। इंडिगो ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि स्थापित विमानन प्रोटोकॉल के अनुसार, यात्री को अनियंत्रित घोषित कर दिया गया और कोलकाता पहुँचने पर उसे सुरक्षाकर्मियों को सौंप दिया गया। संबंधित अधिकारियों के पास एक औपचारिक शिकायत भी दर्ज कराई गई है। एयरलाइन ने सभी यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए व्यवधानकारी आचरण के प्रति अपनी शून्य-सहिष्णुता नीति पर ज़ोर दिया।

वीवीआईपी इलाके की पार्किंग में थार से 20 किलो गोमांस बरामद, पुलिस ने कर दी आरोपी पर कार्रवाई

आर्यावर्त क्रांति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के सबसे पॉश माने जाने वाले इलाके हजरतगंज से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। बुधवार को पुलिस ने हजरतगंज स्थित मल्टी लेवल पार्किंग के पहले तल पर खड़ी एक बिना नंबर की महिंद्रा थार गाड़ी से 20 किलो गोमांस बरामद किया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वाहन मालिक को मौके से गिरफ्तार कर लिया है।

हजरतगंज पुलिस के अनुसार, उन्हें पार्किंग में खड़ी एक संदिग्ध थार में गोमांस होने की सूचना मिली थी। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए चौकी प्रभारी शिवानी सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचीं। जब पुलिस ने काले रंग की बिना नंबर प्लेट वाली थार की तलाशी ली, तो उसकी डिग्गी में रखे कई कैरी बैग के अंदर 20 किलो गोमांस पाया गया।

मामले में हजरतगंज एसीपी विकास जायसवाल और इंस्पेक्टर विक्रम सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने वाहन के मालिक मोहम्मद वासिफ को मौके पर ही हिरासत में ले लिया। आरोपी अमीनाबाद थाना क्षेत्र के गुईन रोड का निवासी बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी को गोमांस के साथ गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ कर रही है कि वह यह मांस कहां से लाया था और इसे कहां ले जाने की फिराक में था।

पवन खेड़ा की पत्नी कोटा नीलिमा पर दो वोटर आईडी रखने का आरोप, अमित मालवीय ने की जांच की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा के बाद उनकी पत्नी कोटा नीलिमा दो वोटर आईडी को लेकर विवादों में आ गई हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने दावा किया है कि तेलंगाना के खैरताबाद से चुनाव लड़ने वाली नीलिमा के पास दो सक्रिय मतदाता पहचान पत्र हैं। मालवीय ने चुनाव आयोग से इसकी जांच करने की मांग की है। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मतदाता सूची शेयर करते हुए आरोप लगाया कि कोटा नीलिमा का नाम खैरताबाद और नई दिल्ली, दोनों जगहों की वोटर लिस्ट में दर्ज है। उनके मुताबिक, नीलिमा ने 2023 में दाखिल शपथपत्र में अपने खैरताबाद स्थित ऐपिक नंबर टीजीजेड2666014 का उल्लेख किया था, जो 2025 तक भी सक्रिय है। यह ऐपिक 'गफ्फर खान कॉलोनी रोड नं. 10' पते पर पंजीकृत था, जो अब 'गौरी शंकर नगर वेलफेयर एसोसिएशन' पते पर दर्ज है। इसके साथ ही मालवीय ने यह भी दावा किया कि कोटा नीलिमा के पास एक और एपिक नंबर (एसजेई0755975) है, जिसमें नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के काका नगर इलाके का पता दर्ज है। इस एपिक में नाम 'के. नीलिमा' लिखा है और पति के नाम में पवन खेड़ा का उल्लेख है। अमित मालवीय ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी के कई नेता 'वोट चोरी' में लिप्त हैं और खुद को ईमानदार दिखाते हुए आम नागरिकों पर सवाल खड़ा कर रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वे प्रेस कॉन्फ्रेंस में बिना पर्याप्त जांच के आम वोटरों की पहचान उजागर कर उन्हें खतरे में डालते हैं, जबकि अपनी पार्टी के नेताओं की कथित गड़बड़ियों पर चुप्पी साधे रहते हैं। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए भाजपा नेता ने कहा, राहुल गांधी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और बिना किसी उचित जांच-पड़ताल के ईमानदार मतदाताओं को निशाना बनाया और उन्हें बदनाम किया, यहां तक कि बिना सहमति के उनकी पहचान उजागर करके उन्हें खतरे में डाल दिया। उन्होंने युवा, तरक्की की राह पर अग्रसर पेशेवरों और बेहतर अवसरों की तलाश में शहर बदलने वाले गरीब दिहाड़ी मजदूरों की पहचान उजागर की। फिर भी उन्होंने इस चौंकाने वाले खुलासे पर चुप्पी साधे रखी है कि उनके करीबी सहयोगी के पास दो एपिक नंबर हैं।

पवन खेड़ा और उनकी पत्नी कोटा नीलिमा का उदाहरण देते हुए अमित मालवीय ने कहा कि यह बिल्कुल स्पष्ट है कि कांग्रेस नेताओं के पास कई एपिक नंबर हैं और वे एक से ज्यादा जगहों पर पंजीकृत मतदाता हैं।

भारत की रक्षा प्रणाली होगी और मजबूत, मिलेंगे एस-400 डिफेंस सिस्टम, रूस ने सप्लाई बढ़ाने के दिए संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और रूस के बीच रक्षा सहयोग और मजबूत होता जा रहा है। इस साझेदारी का एक और बड़ा संकेत है , एस-400 मिसाइल सिस्टम की अतिरिक्त आपूर्ति को लेकर जारी बातचीत। रूस के डिफेंस एक्सपोर्ट विभाग के प्रमुख दिमित्री शुगायेव ने पुष्टि की है कि भारत के पास पहले से मौजूद स-400 सिस्टम के अलावा और यूनिट्स के लिए बातचीत चल रही है।

गौरतलब है कि भारत ने साल 2018 में रूस के साथ पांच स-400 ट्रायम्फ एयर डिफेंस सिस्टम खरीदने के लिए 5.5 अरब डॉलर की डील साइन की थी। इस हाई-टेक मिसाइल सिस्टम की डिलीवरी में कुछ देरी जरूर हुई, लेकिन अंतिम दो यूनिट्स के 2026 और 2027 तक भारत पहुंचने की उम्मीद है।पाकिस्तान के खिलाफ हुए ऑपरेशन सिंदूर में स-400 ने अहम भूमिका निभाई। भारत की हवाई सीमाओं की सुरक्षा में इस सिस्टम ने दुश्मन की मिसाइलों और विमानों को समय रहते ट्रैक कर ध्वस्त कर दिया। यह सिस्टम 400 किलोमीटर की रेंज में 36 से 80 लक्ष्यों को एक साथ ट्रैक और नष्ट करने में सक्षम है। 400 ट्रायम्फ रूस की सबसे एडवांस एयर डिफेंस टेक्नोलॉजी मानी जाती है। यह न केवल दुश्मन के लड़ाकू विमानों बल्कि मिसाइल और ड्रोन जैसे खतरों को भी बेअसर करने में सक्षम है। भारत ने 2021 से पंजाब, राजस्थान और पूर्वोत्तर जैसे रणनीतिक रूप से अहम क्षेत्रों में इसकी तैनाती कर दी थी। इस डील पर अमेरिका की नाराजगी के बावजूद भारत ने रूस के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को प्राथमिकता दी। यह दिखाता है कि भारत अपनी सुरक्षा जरूरतों को सर्वोपरि रखते हुए स्वतंत्र विदेश नीति का पालन कर रहा है।

400 मिसाइल सिस्टम भारत की वायु सुरक्षा में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। अब जब भारत और रूस इसके अतिरिक्त यूनिट्स की सप्लाई पर बात कर रहे हैं, तो यह साफ है कि आने वाले वर्षों में भारत की हवाई सुरक्षा और भी ज्यादा मजबूत और अजेय बनने वाली है।

यमुना का प्रकोप चरम पर: हर जगह पानी ही पानी, 2000 बीघा फसल डूबी, बाढ़ की दहशत.... खाली कराए जा रहे गांव

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। यमुना में बाढ़ की आशंका में गांव खाली कराए जा रहे हैं। मेहरा नहारगंज से मंगलवार को प्रशासन ने 40 परिवार विस्थापित किए हैं। निचले इलाकों में पानी भरना शुरू हो गया है। मोक्षधाम में चिता स्थल डूब गए हैं। नदी की तरफ खुलने वाले एत्माउद्दौला के कमरों में पानी भरा है। दो हजार बीघा से अधिक फसल डूब गई है। वॉटर वर्क्स पर यमुना चेतावनी स्तर से 1.5 फीट ऊपर बह रही है। मंगलवार रात आठ बजे जलस्तर 496.5 फीट था।

बाढ़ नियंत्रण कक्ष की सुबह आठ बजे की रिपोर्ट के अनुसार हथिनीकुंड से मंगलवार को 2.07 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया। वहीं गोकुल बैराज के सभी गेट खुल चुके हैं। गोकुल से आगरा की तरफ 1.02 लाख क्यूसेक पानी नदी में छोड़ा गया है। ओखला बैराज से 61,968 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया गया। डीएम अरविंद एम बंगारी के निर्देश पर मंगलवार रात एडीएम वित्त शुभांगी शुक्ला व एसडीएम सदर सचिन राजपूत ने बाढ़ संभावित क्षेत्रों का दौरा किया। मेहरा नहारगंज से 40 परिवार विस्थापित कराए। विस्थापितों के लिए सात बाढ़ चौकियां और आश्रय स्थल बनाए गए हैं। अगले दो दिन यमुना के जलस्तर में और वृद्धि होने की संभावना है। प्रशासन ने दयालबाग, बल्केश्वर, नरायच, ट्रांस यमुना से यमुना किनारे तक हाई अलर्ट जारी किया है। डीएम ने लोगों से नदी किनारे नहीं जाने, नाव नहीं चलाने और निचले इलाकों से ऊंचे स्थानों पर पहुंचने की अपील की है।

बटेश्वर में ब्रह्मलाल महाराज के आचमन को कालिंदी बेताब

उफनाई कालिंदी बटेश्वर में मंगलवार को ब्रह्मलाल महाराज के आचमन को बेताव दिखी। ब्रह्मलाल महाराज मंदिर और कालिंदी के बीच महज 2 सीढियों का फासला बचा है। एकादशी मंदिर कालिंदी के उफान के पानी से चारों ओर से घिर गया है। सेल्फी पॉइंट परिसर डूब गया। मंदिर के पूर्वी छोर पर 2 सीढ़ियां डूबने से बची हैं। पश्चिमी छोर पर घाट पर मंदिरों के फर्श को छूकर नदी बह रही है।

यमुना नदी के उस पार भरतार गांव में बने रिसोर्ट तक पानी पहुंच गया है। मंदिर के पुजारी जय प्रकाश गोस्वामी, राकेश वाजपेयी ने बताया कि 3 साल पहले ब्रह्मलाल महाराज मंदिर में उफान का पानी घुस गया था। प्रवेशद्वार से बह रही यमुना नदी में श्रद्धालुओं ने खूब डुबकी लगाई थी। जैन मंदिर के रास्ते सड़क पर आए पानी में महिलाओं ने खूब स्नान किया था। कालिंदी का रौद्र रूप देखकर बटेश्वर के लोग बाढ़ के खतरे को लेकर डरे हैं। गांव में पानी आने की आशंका ने उनकी नींद उड़ा दी है।

डीएम की अपील की अनदेखी... बटेश्वर में चलाई जा रही मोटरबोट

डीएम अरविंद मल्लप्पा बंगारी ने सोमवार को यमुना किनारे न जाने और नदी में नाव न चलाने की अपील की थी। डीएम की अपील को लेकर बटेश्वर में अनदेखी दिखी। बटेश्वर के घाट पर कल्यानपुर, भरतार गांव के लिए दिनभर मोटरबोट चली। यमुना नदी के तेज उफान और बहाव के बीच लोग जान जोखिम में डाल कर मोटरबोट से नदी पार करते रहे। इतना ही नहीं दोनों छोरो पर यात्री उफान के पानी से मोटरबोट में चढ़े और उतरे। पुलिस प्रशासन ने भी घाट पर चल रही मोटर बोट की ओर ध्यान नहीं दिया। संवाद

झोपड़ियां बहीं, कचौरा घाट के शिव मंदिर में घुसा पानी

उफनाई यमुना नदी विकराल होने से किनारे के गांवों के लोगों की नींद उड़ गई है। विक्रमपुर घाट गांव में उमेश और मुनीम की झोपड़ियां उफान के पानी में बह गई। लीलावती की झोपड़ी में पानी भर गया है। मवेशी भी यमुना के उफान के पानी में बंधे हैं। कई पशु बीहड़ में फंस गए हैं। प्राथमिक विद्यालय के गेट तक पानी भर गया है। जलमग्न रास्ते से शिक्षक और छात्र निकलने को मजबूर हैं।

चरीथा, गगनकी, बड़ापुरा गांव तक पानी पहुंचने और उफान की रफ्तार तेज होने से ग्रामीण सहमे हैं। कचौरा घाट के शिव मंदिर में नदी के उफान का पानी घुस गया है। इसके अलावा खिलावली, गढ़ी बरौली, कोट, सिधावली, सुंसार, रघुवर पुरा गांव के बीहड़ से जुड़ने वाले खादर और कच्चे रास्तों पर पानी भर गया है। कल्यानपुर, भरतार गांव तीन तरफ से यमुना नदी के पानी से घिरे हुए हैं। यमुना के उफान के पानी में कछार की फसलें पहले ही नष्ट हो गई हैं।

तराई के खेतों में पानी भरने से ग्रामीण किसान परेशान हैं। मंगलवार को बाह के एसडीएम संतोष शुक्ला, तहसीलदार संपूर्ण कुलश्रेष्ठ ने राजस्व टीम के साथ यमुना के उफान से प्रभावित गांवों का दौरा किया। उन्होंने बताया कि नदी किनारे के गांवों में मुनादी कराकर निचले इलाके खाली करने को कहा गया है। बचाव और राहत के लिए 5 बाढ़ चौकियां बटेश्वर, बिक्रमपुर, पारना, कचौरा घाट, रामपुर चंद्रसेनी में बनाई गई हैं। चौकियों पर संसाधन जुटाए जा रहे हैं।

उटंगन भी हुई बेकाबू, डूबे तोड़ा पुल पर बढ़ा उफान का पानी

धौलपुर के पार्वती (आंगई) बांध से रविवार को छोड़ा गया 4500 क्यूसेक पानी आने से मंगलवार को बाह में उटंगन नदी बेकाबू हो गई। तोड़ा गांव के पुल (रपट) पर सोमवार को 3 से 4 फीट तक पानी भरा हुआ था, मंगलवार को पुल के 6-7 फीट ऊपर से पानी बहने लगा था। बहाव की रफ्तार भी तेज हो गई है। गांवों तक पानी पहुंचने के अंदेशे से ग्रामीण परेशान हैं। तोड़ा पुल के डूबने से मंगलवार को लगातार चौथे दिन सेहा, तोड़ा, सीयपुरा, शाहपुर खालसा गांव का तहसील मुख्यालय फतेहाबाद से संपर्क कटा रहा।

बारिश से चंबल नदी भी बढ़ी, आज बंद रहेगी मोटरबोट

लगातार हो रही बारिश से चंबल नदी का जलस्तर फिर से बढ़ने लगा है। सहायक नदिया पार्वती नदी काली नदी अन्य नदियों का पानी आने से मंगलवार की शाम चंबल नदी का जलस्तर 120 मीटर तक पहुंच जाने पर घाट किनारे बना शिव मंदिर पानी में डूब गया। मोटरबोट संचालक अशोक कुमार ने बताया नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण बुधवार को मोटरबंद का संचालन बंद रहेगा।

कटान से पानी में समाई फसलें, किसान परेशान

यमुना नदी में हथिनी कुंड बैराज से छोड़े गए पानी से हालात बिगड़ते जा रहे है। किसानों की फसल तबाह हो चुकी हैं। कटान होने से जमीन पानी में समा रही हैं। तहसील सदर के गांव नूरपुर तनौरा, मेहरा नाहरगंज, बगदा, रामपुर की ठार, पंजाबी की ठार आदि गांवों के किसानों की हजारों बीघा फसल कटान व पानी में डूब गई है। मेहरा नागरगंज चारों ओर से यमुना के पानी से घिर गया है। यहां तराई में रहने वाले 10 लोगों के घरों में पानी भर गया है।तहसील सदर के गांव तनौरा नूरपुर व मेहरा नाहरगंज में अधिक कटान होने के कारण किसानों की काफी नुकसान हुआ है। मेहरा नाहरगंज गांव के चारों ओर नदी का पानी भरा है। सहमे ग्रामीण घरों के सामानों को लेकर ऊंचे स्थानों पर जा रहे हैं। प्रशासन ने भी ग्रामीणों से मवेशियों और सामान को लेकर ऊंचे स्थान पर पहुंच जाने की है।

बदायूं में भारी बारिश से सोत नदी में उफान पर, उजागर हुई पीडब्ल्यूडी की लापरवाही; बंद किया वैकल्पिक मार्ग

बदायूं। शाहबाद कछला भगीरथ घाट राजमार्ग पर नगर के समीप स्थिति सोत नदी में दो दिन की मूसलाधार बरसात से आए उफान से पीडब्ल्यूडी की पोल खुल गई। 1.16 करोड़ की लागत से बिना किसी सेफ्टी वाल के बना वैकल्पिक मार्ग तीन महीने में ही जगह- जगह कट गया हैं। सड़क के ऊपर करीब 2-2 फीट पानी बह रहा है। जिससे आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया है। मार्ग पर दिन भर जाम के हालात रहे देर शाम को प्रशासन ने खतरे के हालात क़ो भाप कर रास्ता बंद कर दिया और एक बार फिर से डायवर्जन प्लान जारी कर दिया। पानी अधिक होने के कारण पुल निर्माण में लगे वाहन डूब गए, जिससे निर्माण कार्य रुक गया हालात भी नाजुक हो गए हैं। जिसे तैयार होने में अभी एक से डेढ़ साल का समय लगेगा। तब तक क्षेत्रवासियों को लगातार ऐसी ही समस्याओं से जूझना पड़ सकता है। ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए कहा यदि पानी निकासी के लिए बड़ी पुलिया का निर्माण पहले ही करा दिया गया होता, तो आज इस विकट परिस्थिति से बचा जा सकता था। पानी का तेज बहाव न केवल मार्ग पर रुकावट बना रहा है, बल्कि जगह-जगह सड़क की नींव को खोखला कर रहा है, जिससे भविष्य में बड़े हादसों का खतरा भी मंडराने लगा है। क्षेत्रवासियों का कहना है सोतनदी का यह वैकल्पिक मार्ग बारिश के मौसम में खतरे का सबब बन गया है। खासकर स्कूली बच्चों, मरीजों और नौकरीपेशा लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन ने एहतियात बरतते हुए ग्रामीणों व राहगीरों से अपील की है वे फिलहाल इस मार्ग से भारी वाहन न गुजारें,वैकल्पिक सुरक्षित रास्तों का ही इस्तेमाल करें।

एकादशी की परिक्रमा रुकी, 18 घंटे से स्थिर यमुना का जलस्तर; मथुरा DM ने बाढ़ पीड़ितों को भोजन खिला बंधाई हिम्मत

मथुरा। यमुना में जलस्तर 18 घंटे से स्थिर है। खतरे के निशान 166 मीटर से 40 सेमी अधिक जलस्तर है। नौहझील क्षेत्र के कई घरों में पानी पहुंचने लगा है। वृंदावन परिक्रमा मार्ग पर पानी आ जाने के कारण परिक्रमा लगाने पर रोक है। सोमवार को ताजेवाला बैराज से छोड़ा गया पानी आज रात से कल सुबह तक पहुंचने की आशंका है। इससे हालत और खराब होंगे। वहीं इससे पहले डीएम सीपी सिंह ने जयसिंहपुरा स्थित विश्व मानव रूहानी केंद्र में बनाए गए बाढ़ राहत केंद्र का निरीक्षण मंगलवार को किया। उन्होंने व्यवस्थाएं देखते हुए बाढ़ प्रभावित परिवारों को भोजन खिलाया और कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है। प्रशासन के पास पर्याप्त इंतजाम हैं। डीएम ने खाने की गुणवत्ता देखी। उन्होंने कहा कि लोगों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। किसी को कोई परेशानी न हो। मच्छरों से बचाव के लिए लोगों को मच्छरदारी दें। डीएम ने बाढ़ प्रभावित परिवारों से वार्ता की। उनकी समस्याओं के जल्द निस्तारण के आदेश दिए। डीएम ने बाढ़ शरणालय के रसोईघर, पेयजल, मोबाइल टायलेट, मेडिकल टीम, विद्युत आपूर्ति आदि व्यवस्थाओं का जायजा लिया। लाइट एवं पंखे लगाने, लगातार स्वास्थ्य परीक्षण व केंद्रों पर एंबुलेंस उपलब्ध कराने, सफाई व एंटी लार्वा के छिड़काव, पशुओं को सुरक्षित स्थान पर भेजने व उनके चारे की व्यवस्था किए जाने के लिए कहा। क्षतिग्रत मकानों एवं फसलों का सर्वे कर मुआवजा देने का भरोसा दिलाया। एडीएम एफआर पंकज कुमार वर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट राकेश कुमार, सहायक नगर आयुक्त राकेश त्यागी मौजूद रहे। विधायक मेघश्याम सिंह व एसडीएम सदर अभिनव जे.जैन ने तहसील सदर क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांव रांची बांगर, कोयला अलीपुर, करनावल एवं बाद का निरीक्षण किया। बाढ़ की संभावना को देखते हुए तहसील स्तर से सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। भारी बारिश व बाढ़ के खतरे को देखते हुए जिले के सभी 12वीं तक के विद्यालय तीन व चार सितंबर को बंद रहेंगे। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने स्कूल बंद किए जाने के आदेश दिए हैं। आदेश सभी बोर्डों के स्कूलों पर लागू होंगे।

सिंघनी ग्रामसभा घोटाले की आंच प्रधान के साथ ब्लाक मुख्यालय तक

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। ग्रामसभा सिंघनी में हुए बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का मामला अब सिर्फ ग्रामप्रधान तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसकी आंच सीधे ब्लाक मुख्यालय और जिला स्तरीय जिम्मेदार अधिकारियों तक पहुंच रही है। गांव निवासी शिकायतकर्ता प्रवीण कुमार सिंह ने कहा है कि ग्रामप्रधान विकास यादव अकेले इस 'ईंट और विकास कार्यों के बड़े घोटाले' को नहीं अंजाम दे सकते। इसमें ब्लाक मुख्यालय और विभागीय जिम्मेदारों की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता ?

शिकायतकर्ता का आरोप है कि जिला कृषि अधिकारी और ब्लाक स्तर के अधिकारियों ने सेटिंग-गेटिंग के जरिए एक भ्रामक रिपोर्ट तैयार कर ऊपर भेजी, जिससे पूरे प्रकरण को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। जबकि हकीकत यह है कि करोड़ों के घोटाले में ग्रामसभा के कार्यों की जांच होने पर पूरी सच्चाई सामने आ सकती है। प्रवीण सिंह का कहना है कि विभागीय अधिकारियों और प्रधान की मिलीभगत से बिना जांच के कागजों पर भुगतान कर दिया गया, जिससे सरकार की योजनाओं और जनता के पैसे की खुलेआम लूट की गई। उन्होंने सवाल उठाया कि जब तक ब्लाक स्तर पर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक निष्पक्ष जांच संभव नहीं है। योगी सरकार की मंशा है कि भ्रष्टाचार पर पूरी तरह लगाम लगे, लेकिन सिंघनी ग्रामसभा के मामले में अधिकारी ही मंशा को धता बता रहे हैं। प्रवीण सिंह ने शपथपत्र के जरिए जांच की मांग करते हुए कहा है कि यदि निष्पक्ष जांच कराई जाए तो ब्लाक मुख्यालय से लेकर जिला स्तर तक कई बड़े नाम बेनकाब हो जाएंगे। उन्होंने जिलाधिकारी से मांग की है कि इस पूरे घोटाले में ग्रामप्रधान के साथ-साथ विभागीय अधिकारियों और ब्लाक कर्मियों की भूमिका की गहन जांच कर दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। ग्रामसभा सिंघनी का यह मामला अब ग्रामीणों के बीच भी चर्चा का बड़ा विषय बन चुका है।

नायब तहसीलदार ने सरकारी आवास में खुद को गोली मारी, उपचार के दौरान दम तोड़ा

आर्यावर्त संवाददाता

बिजनौर। बिजनौर जिले से बुधवार सुबह सनसनीखेज खबर आई। बिजनौर सदर तहसील में तैनात नायब तहसीलदार राजकुमार ने अपने सरकारी आवास के कमरे में लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली।

गोली लगते ही तहसील परिसर में अफरा-तफरी मच गई। गंभीर रूप से घायल अवस्था में राजकुमार को तत्काल निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही डीएम जसजीत कौर, एसपी और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने घटनास्थल को सील कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल इस घटना के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। प्रशासन ने मामले की गहन जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारी जांच पड़ताल में जुटे हैं। पुलिस ने लाइसेंसी रिवॉल्वर को कब्जे में ले लिया है। जानकारी के अनुसार घटना सुबह करीब 11 बजे की बताई जा रही है। गोली लगने के बाद उन्हें गंभीर हालत में निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां करीब दो घंटे तक इलाज चला। दोपहर करीब 1:30 बजे चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तहसील परिसर के कमरे की तलाशी ली। बताया गया कि गोली चलने के बाद कमरा अंदर से बंद हो गया था, जिसे तोड़कर बाहर निकाला गया। पुलिस को मौके से नायब तहसीलदार की लाइसेंसी पिस्टल मिली है। अभी आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मोबाइल फोन और अन्य दस्तावेजों को खंगाल रही है, ताकि घटना की वजह सामने आ सके।

विद्युत वितरण निगम की प्रबंध निदेशक ने की समीक्षा बैठक

सुलतानपुर। विकास भवन स्थित प्रेरणा सभागार में बुधवार को विद्युत वितरण निगम की प्रबंध निदेशक रिया केजरीवाल ने राजस्व वसूली और विद्युत कार्यों की समीक्षा बैठक की। उन्होंने राजस्व वसूली में लापरवाही बरतने वाले अभियंताओं को फटकार लगाई। एमडी ने बताया कि प्रत्येक सब स्टेशन के लिए मानक निर्धारित हैं। फीडर की संख्या के अनुसार संविदा कर्मियों की नियुक्ति की जाती है। निर्धारित संख्या से अधिक कर्मियों को हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि विभाग को सबसे अधिक शिकायतें संविदा कर्मियों से ही मिल रही हैं। उपभोक्ताओं को परेशान करने और बिल चोरी की शिकायतें सामने आई हैं। केजरीवाल ने कहा कि पहले अधिक संविदा कर्मी होने के बावजूद 24 घंटे बिजली आपूर्ति नहीं हो पा रही थी। इसी कारण यह बदलाव किया जा रहा है। बैठक में हरीश बंसल (निदेशक तकनीकी), सहित जिले के सभी अधिशासी अभियंता, उपखंड अधिकारी और अवर अभियंता उपस्थित रहे।

रक्तदान कर शिक्षक मनाएंगे, शिक्षक दिवस

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन का जन्मदिन जिले के शिक्षक शिक्षक दिवस को इस बार कुछ अलग अंदाज में मनायेगे। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने विगत वर्ष की तरह इस वर्ष भी रक्तदान का निर्णय लिया है। जिलाध्यक्ष ने कहा राधा कृष्णन शिक्षक समाज के मार्गदर्शक होने के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने में भी पीछे नहीं रहते थे।

संगठन के जिला प्रवक्ता निजाम खान ने बताया कि अब शिक्षक केवल सम्मान की अपेक्षा नहीं करते, बल्कि अपने सामुदायिक दायित्व को आगे रखते हुए शिक्षक दिवस को सेवा का पर्व मानने लगे हैं। इसी क्रम में जनपदीय अध्यक्ष दिलीप कुमार पांडेय के नेतृत्व में सैकड़ों शिक्षकों ने रक्तदान के लिए अपना नाम दर्ज कराया है। उनका मानना है कि रक्तदान से न केवल जीवन बचाने में मदद मिलेगी, बल्कि समाज को भी सकारात्मक संदेश जाएगा। शिविर की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शिक्षकों को प्रेरित करने और उनके उत्साहवर्धन के लिए जिलाधिकारी को आमंत्रित किया गया है। साथ ही जनपद के वरिष्ठ चिकित्सक एवं समाजसेवी डॉ. ए.के. सिंह ने भी शिविर का उद्घाटन करेगे। शिक्षक संघ का यह अनूठा प्रयास न सिर्फ शिक्षक दिवस की गरिमा को बढ़ाएगा बल्कि समाज में सेवा और सहयोग का संदेश भी देगा।इस मौके पर वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र नारायण मिश्रा, जिला मंत्री डॉ हृषिकेष भानु सिंह, संयुक्त मंत्री प्रशांत पाण्डेय जिला उपाध्यक्ष विनोद यादव, डॉ रीतेश सिंह, अखिलेश सिंह, नरेंद्र पाण्डेय, कांशी नाथ तिवारी, संजय सिंह, मुजफ्फर कलीम खान, इत्यादि मौजूद रहे।

एक करोड़ से फिल्म बनाई, मुनाफा कमाया, हिस्सा नहीं दिया ; पवन सिंह सहित चार के खिलाफ एफआईआर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। भोजपुरी गायक और अभिनेता पवन सिंह समेत चार के खिलाफ मंगलवार रात कैंट थाने में 1.13 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी समेत अन्य आरोपों में केस दर्ज किया गया। सीजेएम मनीष कुमार के आदेश पर दर्ज मुकदमे की विवेचना इंस्पेक्टर सत्यप्रकाश करेंगे।

नदेसर के होटल और टूर एंड ट्रैवल्स कारोबारी विशाल सिंह ने कोर्ट में आवेदन दिया था। उनका आरोप था कि पवन सिंह, फिल्म निर्माता अरविंद चौबे, प्रेमशंकर राय व पत्नी सीमा राय ने फिल्म बनाने के नाम पर 1.13 करोड़ रुपये वसूले लेकिन हिस्सा नहीं दिया। फिल्म बनाकर सारा मुनाफा हड़प लिया।

कैंट थाना क्षेत्र के नदेसर में टूर एंड ट्रैवल्स संचालक विशाल सिंह ने कोर्ट को बताया कि मुंबई में पढ़ाई के दौरान 2017 में महाराष्ट्र के पुणे सिटी चिंचवाड़ निवासी प्रेमशंकर राय व पत्नी सीमा राय से संपर्क हुआ। दोनों ने फिल्म बनाने और अच्छा मुनाफा कमाने का हवाला दिया। कहा कि फिल्म में भोजपुरी फिल्म स्टार पवन सिंह को लेंगे। फिल्म बनाने में जो भी खर्च होगा, वह उत्तर प्रदेश सरकार की सब्सिडी के माध्यम से वापस करा दी जाएगी।

मई 2018 में दोनों ने अभिनेता पवन सिंह से नदेसर में कार्यालय में मुलाकात कराई। जून 2018 में प्रेमशंकर राय व सीमा राय ने दबाव बनाया कि पैसा लगाओ नहीं तो पवन सिंह दूसरी फिल्म साइन कर लेंगे। इनकी कंपनी श्रेयस फिल्म प्राइवेट लिमिटेड के खाते में अपने व अपने भाई के पार्टनरशिप की कंपनी रिद्धिका इंटरप्राइजेज के खाते से कई तिथियों में 32.60 लाख रुपये भेजे।

नवंबर 2018 में फिल्म की शूटिंग

नवंबर 2018 फिल्म की शूटिंग शुरू हुई। प्रेम शंकर, पत्नी सीमा राय व पवन सिंह व उनके सहयोगी अरविंद चौबे से नदेसर के होटल सिटी इन कैंट में मुलाकात हुई थी। इन लोगों ने फिल्म के खर्चों और हिस्सेदारी के बाबत कंपनी के लेटर पर कूटरचित दस्तावेज तैयार किया। मुझे फिल्म निर्माता दर्शाया गया। कहा गया कि मुनाफे का 50 प्रतिशत निर्माता, 25 प्रतिशत सह-निर्माता, 20 प्रतिशत अभिनेता व 5 प्रतिशत निर्देशक को मिलेगा।

सत्यसांई चंदौर आश्रम के महंथ दाता अनमोल शाह का निधन

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। सत्यसांई पंथ के प्रख्यात संत, वीतरागी महात्मा और चंदौर आश्रम के महंथ दाता अनमोल शाह अब हमारे बीच नहीं रहे। मंगलवार की देर रात 109 वर्ष की आयु में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर जैसे ही फैली, न केवल सुल्तानपुर जनपद, बल्कि देश-विदेश तक फैले लाखों अनुयायियों में गहरा शोक व्याप्त हो गया। श्रद्धालुओं ने इसे अपूरणीय क्षति बताते हुए कहा कि दाता अनमोल शाह का जीवन सेवा, साधना और समाज के कल्याण को समर्पित था।

अचानक बिगड़ा स्वास्थ्य, लखनऊ में निधन

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दो सितंबर की सुबह अचानक उनका स्वास्थ्य बिगड़ गया। शिष्यों ने तत्काल उन्हें लखनऊ स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया। यहां चिकित्सकों ने लगातार प्रयास किया, किंतु बीती रात ग्यारह बजकर अठावन मिनट पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। इस समाचार के बाद शिष्यगण उन्हें अर्जुनगंज स्थित साईं दाता आश्रम लेकर पहुंचे, जहां भक्तों की उपस्थिति में उन्होंने अंतिम सांस ली।

चंदौर आश्रम में उमड़ा जनसैलाब

दाता अनमोल शाह के "पर्दा" (मृत्यु) की खबर मिलते ही चंदौर आश्रम परिसर में अनुयायियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालु अपने प्रिय गुरु के अंतिम दर्शन के लिए उमड़े और वातावरण पूरी तरह शोकमग्न हो गया। भक्तों की आंखें नम थीं और हर कोई उन्हें याद कर भावुक हो उठा। लोगों का कहना था कि दाता अनमोल शाह ने अपना संपूर्ण जीवन मानवता और साईं धर्म की सेवा में न्योछावर कर दिया।

साईं पंथ का सबसे बड़ा केंद्र चंदौर आश्रम

वर्तमान समय में साईं पंथ का सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित आश्रम चंदौर ही माना जाता है। इसकी शाखाएं न केवल सुल्तानपुर जनपद में, बल्कि उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों, अन्य राज्यों और यहां तक कि पड़ोसी देश नेपाल तक फैली हुई हैं। करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था इस आश्रम से गहराई से जुड़ी हुई है। यही कारण है कि उनके निधन की खबर सुनकर दूर-दराज़ से लोग अंतिम दर्शन के लिए चंदौर पहुंच रहे हैं।

मानवता और भाईचारे का संदेश

आश्रम से जुड़े शिष्यों ने बताया कि दाता अनमोल शाह ने सदैव मानवता, परोपकार और भाईचारे का संदेश दिया। वे अक्सर अपने शिष्यों को यही उपदेश देते थेकृ "माता-पिता की सेवा करो, साईं-साईं करो।" उनकी शिक्षा समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंची और लाखों लोगों को धर्म, सेवा और त्याग की ओर प्रेरित किया। उनके मार्गदर्शन में चंदौर आश्रम न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बना, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान देता रहा।

अंतिम संस्कार की तैयारी कल

शिष्यों और ग्रामवासियों के अनुसार, दाता अनमोल शाह के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार (मिट्टी) चार सितंबर को किया जाएगा। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राज सिंह एवं दिव्यराज सिंह (लकी) प्रधान खारा सहित सैकड़ों ग्रामवासी और शिष्य अंतिम संस्कार की तैयारियों में जुटे हुए हैं। सेवाभाव और अनुशासन के साथ श्रद्धालु गुरु की अंतिम यात्रा को भव्य और गरिमामयी बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

सीएम योगी बोले: 2047 तक यूपी बनेगा विकसित प्रदेश, बीते आठ वर्षों में उत्साह में बदली निराशा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता का आह्वान करते हुए कहा कि भारत और यूपी का भविष्य कैसा हो, यह हमें तय करना है। हमें अपने युवाओं को तैयार करना है, क्योंकि हम जिस मनोदशा में जिएंगे, उसी दिशा में आगे बढ़ेंगे। हमें कैसा भारत और उत्तर प्रदेश चाहिए, यह हमारे विजन में होना चाहिए। सीएम योगी लोक भवन सभागार में ₹समर्थ उत्तर प्रदेश – विकसित उत्तर प्रदेश @2047₹ अभियान के शुभारंभ के अवसर पर कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'समर्थ उत्तर प्रदेश' पोर्टल का शुभारंभ किया। यह पोर्टल प्रदेशवासियों को अपने सुझाव देने का मंच प्रदान करेगा, जो 12 प्रमुख सेक्टरों- कृषि, पशुधन संरक्षण, औद्योगिक विकास, आईटी-टेक्नोलॉजी, पर्यटन, नगर व ग्राम्य विकास, आधारभूत संरचना, संतुलित विकास, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा व सुशासन- पर केंद्रित विजन डॉक्यूमेंट का हिस्सा बनेंगे। विजन डॉक्यूमेंट ₹अर्थ शक्ति, सृजन शक्ति और जीवन शक्ति₹ थीम पर आधारित है। कार्यशाला में प्रशासन, पुलिस, वन सेवा, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों से सेवानिवृत्त 400 से अधिक अधिकारियों और प्रबुद्धजनों ने हिस्सा लिया।

प्रबुद्धजनों का सहयोग युवाओं को जागरूक करना महत्वपूर्ण- सीएम योगी

कार्यशाला को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि ₹विकसित भारत विकसित उत्तर प्रदेश" शताब्दी संकल्प अभियान के क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार निरंतर प्रयत्नशील है। इस अभियान में 25 करोड़ जनता को भागीदार बनाना है। आप सभी प्रबुद्धजनों का सहयोग युवाओं को जागरूक करने और आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण होगा। रिटायर्ड होने का मतलब टायर्ड होना नहीं है। आपका अनुभव इस अभियान को गति देगा।

16वीं-17वीं शताब्दी में भारत वैश्विक जीडीपी में 25% हिस्सा रखता था भारत

उन्होंने पीएम मोदी के नेतृत्व में देश की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि 16वीं-17वीं शताब्दी में भारत वैश्विक जीडीपी में 25% हिस्सा रखता था, जो 1947 तक 2% रह गया। 2014 में भारत 11वीं अर्थव्यवस्था था, लेकिन आज चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और 2027 तक तीसरी बनेगा। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। अगर यही गति रही, तो 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य संभव है।

बीते आठ वर्षों में हमने यूपी की निराशा को उत्साह में बदला- सीएम योगी

उत्तर प्रदेश के संदर्भ में सीएम ने कहा कि 1947 और 1960 तक यूपी का राष्ट्रीय जीडीपी में योगदान 14% था, लेकिन 2016-17 तक यह 8% हो गया और यूपी आठवीं अर्थव्यवस्था बन गया। बीते आठ वर्षों में हमने निराशा को उत्साह में बदला। आज उत्तर प्रदेश देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रकृति और परमात्मा की कृपा से यूपी के पास सब कुछ है, बस संकल्प की जरूरत है।

जैसी मनोदशा होगी, वैसा विकास होगा- सीएम योगी

सीएम ने प्रख्यात वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु का जिक्र करते हुए कहा कि जैसी मनोदशा होगी, वैसा विकास होगा। बसु ने दो पौधों पर प्रयोग किया, एक को प्रेरित किया, तो वह बड़ा वृक्ष बना, जबकि दूसरे को धिक्कारा, तो वह मुरझा गया। उन्होंने कहा कि यह जीव मात्र पर लागू होता है। मनुष्य ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है। यूपी और भारत की स्थिति भी यही थी। नकारात्मकता से निराशा बढ़ी, लेकिन अब उत्साह का माहौल है।

2016-17 से पहले यूपी बीमारू कहलाता था, लेकिन अब सकारात्मक बदलाव आया- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2016-17 से पहले यूपी बीमारू कहलाता था, लेकिन अब सकारात्मक बदलाव आया है। जीएसडीपी 13 लाख करोड़ से बढ़कर इस वर्ष 35 लाख करोड़ होने जा रही है। प्रति व्यक्ति आय में भी वृद्धि हुई है। कोविड काल में वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना से एमएसएमई को बढ़ावा मिला, जिससे निर्यात 2 लाख करोड़ तक पहुंचा। कोविड में 1 करोड़ लोगों को रहने-खाने की व्यवस्था दी गई, जिसमें 40 लाख यूपी के कारीगर थे। एक भावुक किस्सा साझा करते हुए सीएम योगी ने कहा कि बिहार चुनाव के दौरान एक गरीब व्यक्ति ने खाली डिब्बा दिखाकर उन्हें धन्यवाद दिया, जो कोविड के समय में यूपी में मिले भोजन का था। उन्होंने कहा कि यह सेवा का भाव है, जो लोगों के मन में विश्वास जगाता है।

सीएम योगी ने बताई अभियान की रूपरेखा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अभियान का पहला चरण प्रबुद्धजनों के साथ अकादमिक संस्थानों में गोष्ठियों से शुरू होगा। इसके बाद इसमें प्रदेश के मंत्री, सांसद, विधायक व केंद्रीय मंत्री भी शामिल होंगे। हर ग्राम पंचायत और नगर निकाय के वार्ड में संकल्प लिया जाएगा। सुझाव QR कोड के माध्यम से लिए जाएंगे, जो शॉर्ट, मीडियम और लॉन्ग टर्म प्लानिंग पर आधारित होंगे। उन्होंने कहा कि विधानसभा में सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल पर 36 घंटे और विकसित उत्तर प्रदेश पर 27 घंटे चर्चा हुई, जिसमें सभी दलों ने हिस्सा लिया। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की बात का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विकसित परिवार और गांव से विकसित भारत बनेगा।

संपत्ति विवाद के 2.25 लाख झगड़े होंगे खत्म, जनता के बचेंगे 3800 करोड़; पांच हजार रुपयों में होगा फैसला

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पारिवारिक संपत्तियों के बंटवारे का अधिकतम शुल्क 5 हजार रुपये करने का फैसला न केवल अदालतों का बोझ कम करेगा बल्कि परिवारों में सौहार्द्र का माहौल भी बनाएगा। पहले यह शुल्क संपत्ति के बाजार मूल्य का 5% तक होता था। विभाग का मानना है कि इस फैसले से संपत्ति बंटवारे के करीब 2.25 लाख विवाद मिनटों में खत्म हो जाएंगे। कानूनी सलाह आदि पर होने खर्च में 3800 करोड़ रुपये तक की बचत होगी और स्टांप राजस्व के रूप में 500 करोड़ तक की वृद्धि होगी। अभी इस मद में कोई राजस्व नहीं मिलता।

प्रदेश में फिलहाल राजस्व अदालतों में लगभग 26,866 भूमि व संपत्ति संबंधी विवाद लंबित हैं, जिनमें से बड़ी संख्या पारिवारिक संपत्तियों के बंटवारे से जुड़ी है। इसके अलावा करीब दो लाख मामले अलग-अलग रूप में चल रहे हैं। विधि विशेषज्ञों का मानना है कि शुल्क घटने से कम-आय वर्ग के लोग भी अब संपत्ति विभाजन का पंजीकरण कराएंगे, जिससे लंबित मामलों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आएगी। अनुमान है कि 70 फीसदी विवाद एक वर्ष में खत्म हो जाएंगे।

संपत्ति विवाद पुलिस थानों और तहसील स्तर पर झगड़ों का कारण बनते हैं। अपंजीकृत बंटवारे से झगड़े लंबा खिंचते थे। अब शुल्क घटने से लोग सीधे पंजीकृत विभाजन की ओर बढ़ेंगे, जिससे पुलिस और तहसील स्टाफ पर भार कम होगा। पहले महंगे शुल्क के कारण लोग बंटवारे से बचते थे, लेकिन अब केवल ₹5,000 की सीमा तय होने से बड़ी संख्या में लोग आगे आएंगे। रजिस्ट्री विभाग का मानना है कि अगर प्रदेश में हर साल औसतन 50,000 पारिवारिक संपत्ति बंटवारे पंजीकृत होते हैं, तो सरकार को इससे कम से कम 500 करोड़ तक की अतिरिक्त आय हो सकती है। पुराने लंबित मामलों के निस्तारण से भी हजारों पंजीकरण होंगे, जिससे शुरुआती वर्षों में राजस्व में और बढ़ोतरी संभव है।

पारिवारिक कलह को खत्म करना मकसद

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप पारिवारिक संपत्ति बंटवारे में न्यूनतम शुल्क की कवायद तीन वर्ष से चल रही थी। इसका सबसे बड़ा मकसद संपत्ति बंटवारे की वजह से परिवारों में होने वाली कलह को खत्म करना है। साथ ही अदालतों में मामले जाने की वजह से संपत्ति का कोई इस्तेमाल सीमित हो जाता है। अब दस हजार की फीस पर दस मिनट पर विवाद हल होगा, जिसका सकारात्मक असर राजस्व पर भी आएगा। -रवीन्द्र जायसवाल, स्टांप एवं पंजीकरण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

रामनगरी पहुंचे सीएम योगी, किए रामलला के दर्शन; हनुमानगढ़ी के दर्शन कर लिया आशीर्वाद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पहले संकट मोचन हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन किया और प्रदेश की सुख-शांति की कामना की। इसके बाद सीएम योगी ने श्रीरामलला के दरबार में हाजिरी लगाई, आरती की और सीएम ने दर्शन-पूजन के उपरांत निकलते समय आमजन का अभिवादन भी स्वीकार किया। वहीं मंदिर परिसर की परिक्रमा कर राम मंदिर निर्माण की प्रगति का जायजा लिया और राम दरबार में भी दर्शन पूजन किये।

मुख्यमंत्री ने अपने दौरे की शुरुआत संकट मोचन हनुमानगढ़ी मंदिर से की। उन्होंने यहां विधिवत पूजा-अर्चना करते हुए प्रदेशवासियों के सुखमय जीवन की प्रार्थना की। यहां से निकल कर मुख्यमंत्री ने श्रीरामलला के दर्शन किए। उन्होंने श्रीरामलला की आरती उतारी और मंदिर की परिक्रमा की इसके साथ ही उन्होंने राम दरबार में भी दर्शन पूजन किये। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर निर्माण की प्रगति की जानकारी भी ली। राम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने उन्हें निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति और आगामी योजनाओं से अवगत कराया। राज सदन में मुख्यमंत्री ने बिमलेंद्र मोहन को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ उनके पुत्र और प्रख्यात साहित्यकार और कवि यतींद्र मोहन मिश्र से मुलाकात कर उनको दुख की इस घड़ी में ढांढस बंधाया। साथ ही बिमलेंद्र मोहन के अनुज और साकेत महाविद्यालय की प्रबंध समिति के संरक्षक शैलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र समेत परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात की। इस दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतज़ाम किए गए थे। मुख्यमंत्री योगी के दौरे को देखते हुए अयोध्या एयरपोर्ट से लेकर अयोध्या धाम तक सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट रहीं। श्रद्धांजलि सभा के बाद मुख्यमंत्री योगी अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचे और वहां से स्टेट प्लेन से गोरखपुर रवाना हो गए। इस मौके पर उनके साथ प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्त, आईजी प्रवीण कुमार, कमिश्नर राजेश कुमार, डीएम निखिल टीकाराम, मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह, एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर, अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अश्वनी पांडेय समेत शासन, जिला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

लखनऊ में वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, तीन शातिर अभियुक्त गिरफ्तार, दो कारें बरामद

लखनऊ। लखनऊ के थाना विभूतिखण्ड क्षेत्र में पुलिस ने एक शातिर वाहन चोरी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों के कब्जे से दो चार पहिया वाहन बरामद किए गए हैं।थाना विभूतिखण्ड में 30 अगस्त को राशिद पुत्र सहीद नरूला निवासी ग्राम मटियारी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया कि अज्ञात व्यक्तियों ने उनके गैराज का ताला तोड़कर एक काली फोर्ड फिगो फ्रीस्टाइल और एक सफेद हुंडई एक्सेंट चोरी कर ली थी। इसके साथ ही दो मोबाइल फोन भी गायब हो गए थे।घटना के अनावरण हेतु उच्च अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस उपायुक्त पूर्वी की क्राइम टीम और थाना विभूतिखण्ड पुलिस की संयुक्त कार्रवाई शुरू हुई। तकनीकी और मैनुअल प्रयासों के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, विनम्रखण्ड से तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से दोनों चोरी की गई कारें बरामद की गईं।गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान सैफवान सिद्धिकी उर्फ सैफू (19 वर्ष), सरफराज अहमद (29 वर्ष) और मोहम्मद नियाज़ (20 वर्ष) के रूप में हुई। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे गैराज मालिक से पैसों के विवाद के कारण उसे सबक सिखाने के उद्देश्य से यह चोरी की घटना अंजाम दे रहे थे।पुलिस ने बताया कि अभियुक्तों के खिलाफ धारा 305(1), 317(2), 338, 336(3), 340(2) बीएनएस में मुकदमा दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। बरामद हुंडई एक्सेंट कार का इंजन नम्बर D3FAGM136984 और चेसिस नम्बर MALA841DLGM200316G है, जबकि फोर्ड फिगो फ्रीस्टाइल का चेसिस नम्बर MAJGXXMTKGJU81477 है।इस कार्रवाई में पुलिस उपायुक्त पूर्वी की क्राइम टीम और थाना विभूतिखण्ड की टीम शामिल रही। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है और अन्य संभावित चोरी की घटनाओं की भी जांच की जा रही है। इस सफलता के बाद लखनऊ में वाहन चोरी की घटनाओं में कमी की उम्मीद जताई जा रही है।

थानेदार व महिला दरोगा, सिपाही ने महिला वकील से की अभद्रता

» पीड़ित वकील बीनू राज ने बताया कि वह लखनऊ सिविल कोर्ट में प्रैक्टिस करती हूँ

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। एक एफ़ईआर की जानकारी करने पहुंची महिला वकील से इंस्पेक्टर सुशांत गोल्फ सिटी के साथ महिला दरोगा व सिपाही ने अभद्रता की तथा उसका लाइसेंस निरस्त करने की धमकी दी। पीड़ित महिला वकील का आरोप है कि उपरोक्त ने गालियां भी दी। महिला वक़ील ने इस मामले की शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर की है।

पीड़ित वकील बीनू राज ने बताया कि वह लखनऊ सिविल कोर्ट में प्रैक्टिस करती हूँ। उन्होने बताया कि मैं एक मुकदमे की जानकारी लेने थाने पहुंची तो पहले देने से मना कर दिया। जब कारण पूछा तो दलाल, आदि शब्दो से संबोधित किया। पीड़ति ने बताया कि अभद्रता करते हुए गालियां दी। पीड़ति वकील ने बताया कि पुलिस द्वारा बीते एक सितंबर को दर्ज की गई एफआईआर संख्या 0777 की पीड़िता निशा को बार बार बुला रही थी जिसके कहने पर मैं साथ गई थी। मामले की जानकारी पूछने के दौरान थाना प्रभारी उपेन्द्र सिंह तथा उपनिरीक्षक नेहा सिंह तथा एक अन्य महिला कान्टेबेल अज्ञात ने अपनी शक्तियों का गलत प्रयोग करते हुये अभद्र व्यवहार किया और प्रार्थिनी से कहने लगे कि तुम्हारे जैसे अधिवक्ता हमारे थाने में रोज आते है हमारे थाने में हमसे बड़ा न कोई अधिवक्ता है और ना ही जज है। प्रार्थिनी से कहने लगे तुम फर्जी अधिवक्ता हो अपना पहचान पत्र यहाँ जमा करो वरना तुमको भी फर्जी मुकदमें में थाने में बन्द कर देंगे प्रार्थिनी को उपरोक्त लोग गाली गलौज करने लगे और महिला सिपाहियों से तुम्हारी पिटाई कराने की धमकी देने लगे।

• संक्षेप •

मछली पकड़ते समय तालाब में डूबा 21 वर्षीय युवक, गांव में छाया मातम

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के थाना निगोंहा क्षेत्र के ग्राम लालता खेड़ा मजरा रामदासपुर में मंगलवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां 21 वर्षीय युवक अमृत लाल की तालाब में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया है और परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।थाना निगोंहा पुलिस के मुताबिक, रात लगभग 11:30 बजे सूचना मिली कि गांव के बाहर स्थित तालाब में एक युवक की डूबकर मौत हो गई है। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। जांच में पता चला कि अमृत लाल पुत्र गुरु प्रसाद रोज़ की तरह मंगलवार रात भी तालाब में मछली पकड़ने के लिए जाल लेकर गया था। जाल लगाते समय वह गहरे पानी में फंस गया और बाहर नहीं निकल सका।गांव वालों ने बताया कि अमृत लाल मेहनती और मिलनसार युवक था। उसका शव तालाब से बाहर निकाले जाने के बाद पूरे गांव में चीख–पुकार मच गई। परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मृतक के घर के बाहर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। ग्रामीणों का कहना है कि अमृत लाल अक्सर अपने परिवार की मदद के लिए तालाब से मछली पकड़ता था।मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हनुमानगढ़ी के महंत रमेश दास ने अखिलेश यादव को दिया विजय का आशीर्वाद

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को मंगलवार को अयोध्या की हनुमानगढ़ी के महंत रमेश दास ने सफलता और विजय का आशीर्वाद दिया। महंत रमेश दास विशेष रूप से उनसे भेंट करने पहुंचे और उन्होंने अखिलेश यादव को हनुमान मंदिर का प्रसाद भी भेंट किया।महंत रमेश दास ने कहा कि स्वर्गीय भवनाथ दास जी के समय से ही अखिलेश यादव के प्रति विशेष स्नेहभाव रहा है और यही परंपरा आज भी कायम है। उल्लेखनीय है कि महंत रमेश दास, हनुमानगढ़ी के स्वर्गीय महंत भवनाथ दास जी के उत्तराधिकारी हैं।इस अवसर पर इंद्रसेन पहलवान ने भी अखिलेश यादव से भेंट की। उन्होंने कहा कि अयोध्या की धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित और सुरक्षित रखना सभी की जिम्मेदारी है, और इसमें समाजवादी पार्टी की भूमिका हमेशा महत्वपूर्ण रही है।राजनीतिक हलकों में महंत रमेश दास की इस भेंट और आशीर्वाद को विशेष महत्व दिया जा रहा है। इसे अयोध्या सहित पूर्वांचल की राजनीति में अखिलेश यादव की बढ़ती सक्रियता और स्वीकार्यता से जोड़कर देखा जा रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों से जुड़ाव और वहां के संतों–महंतों का समर्थन आगामी चुनावी परिदृश्य में सपा के लिए अहम साबित हो सकता है।

बीबीएयू और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के बीच सोमवार को एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की।इस अवसर पर मुख्य रूप से डीन ऑफ अकेडमिक अफेयर्स प्रो. एस. विक्टर बाबू, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र से डॉ. ऋचा नेगी और डॉ. दिलीप कुमार, तथा विश्वविद्यालय के इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो. वी.एम. रवि कुमार उपस्थित रहे।कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने MoU पर हस्ताक्षर के लिए सभी को बधाई देते हुए कहा कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र प्रारंभ से ही कला, इतिहास, संस्कृति और परंपरा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देता रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति और परंपराओं का अध्ययन आवश्यक है, क्योंकि इन्हीं से समाज में समरसता और समानता स्थापित हो सकती है। भारतीय ज्ञान, परंपरा और मूल्यों के आधार पर ही भारत को विश्वगुरु बनाने तथा 2047 तक विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने का मार्ग प्रशस्त होगा।उन्होंने आगे कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों को शोध और अनुसंधान के ऐसे मापदंड तैयार करने चाहिए, जो नवाचार को बढ़ावा दें।

टिम्बर मजदूर की पीट–पीटकर हत्या के मामले में आरोपी फरार

» आरोपी को दूसरे दिन भी गिरफ्तार नही कर सकी सुशान्त गोल्फ सिटी पुलिस

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में बीते रविवार को एक टिम्बर मजदूर की पीट-पीटकर हत्या किये जाने के मामले में पुलिस आरोपी को दो दिन बाद भी गिरफ्तार नही कर सकी। पुलिस की तीन टीमें आरोपी की तलाश में जुटी है।

मालुम हो कि सीतापुर जनपद के कुशमा गांव का रहने वाला अमित कुमार शर्मा (31) पत्नी मनोरमा व आठ वर्षीय बेटी रिया और छोटे बेटे शशांक के साथ सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र के अहिमामऊ गांव के पास स्थित ए एस टिंबर स्टोर में पिछले छह से मजदूरी करता था।रविवार को इसी स्टोर में काम करने वाले युवक विकेश कुमार ने अमित से पैसा मांगा था तो अमित ने मना कर दिया था।जिससे गुस्साए विकेश ने स्टोर में रखे पटरे से उसके सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए थे।जिससे गंभीर रूप से घायल हुए अमित को राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया था जहां से डॉक्टरों ने उसे ट्रॉमा सेंटर के लिए रेफर कर दिया था।जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

इस संबंध में जब डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल से बात की गई तो उन्होंने बताया कि आरोपी की तलाश में तीन टीमें लगाई गई है। जल्द ही आरोपी की गिरफ्तारी की जाए

डीपीएस एल्डिको ने जीती सरोजनीनगर स्पोर्ट्स लीग की बास्केटबॉल चैंपियनशिप

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर स्पोर्ट्स लीग के सातवें चरण में इंटर-स्कूल बॉयज़ एवं गर्ल्स बास्केटबॉल टूर्नामेंट का रोमांचक फाइनल बुधवार को वृन्दावन योजना स्थित एसकेडी अकादमी के कोर्ट में खेला गया। इस मुकाबले में डीपीएस एल्डिको की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दोनों वर्गों में ट्रॉफी अपने नाम की।

गर्ल्स एवं बॉयज़ दोनों वर्गों में डीपीएस एल्डिको ने सेठ ए.आर. जयपुरिया स्कूल की टीमों को हराया। विजेताओं को पुरस्कार और सम्मान प्रदान करते हुए सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने प्रत्येक टीम को ₹25,000 और उपविजेताओं को ₹11,000 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की। बॉयज़ वर्ग से ईशान सिंह और गर्ल्स वर्ग से अनुष्का पांडा को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट घोषित किया गया और उन्हें ₹5,000 नकद राशि व विशेष शील्ड देकर सम्मानित किया गया। सभी खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए गए।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि युवा ही राष्ट्र की असली ताकत हैं और खेल के मैदान अनुशासन, परिश्रम और नेतृत्व के संस्कार विकसित करने का सर्वोत्तम मंच हैं। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों की भी घोषणा की। गांधी जयंती से इंटर क्लब और इंटर स्कूल फुटबॉल मुकाबले शुरू होंगे और नवंबर में क्रॉस कंट्री रेस का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने एसकेडी अकादमी के निदेशक मनीष सिंह और पूरी टीम को सहयोग के लिए धन्यवाद भी दिया।

गौरतलब है कि सरोजनीनगर स्पोर्ट्स लीग की शुरुआत 4 दिसंबर 2022 को अंडर-19 गर्ल्स बास्केटबॉल टूर्नामेंट से हुई थी। इसके बाद लीग के विभिन्न चरणों में क्रिकेट, फुटबॉल और वॉलीबॉल सहित कुल सैकड़ों मैच आयोजित किए जा चुके हैं, जिसमें हज़ारों युवा खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। सातवें चरण में कुल 26 बॉयज़ और 23 गर्ल्स टीमों ने भाग लिया और 50 मैच खेले गए।

इस अवसर पर एसकेडी अकैडमी के संस्थापक एस.के.डी. सिंह, निदेशक मनीष सिंह, डीपीएस एल्डिको की प्रिंसिपल मनीषा अंतवल, भाजपा नेता शिव शंकर सिंह शंकरी, रमा शंकर त्रिपाठी, ब्लॉक प्रमुख सुनील रावत, पार्षद कौशलेंद्र द्विवेदी, संजीव अवस्थी और अन्य जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद् व सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अमेरिकी दादागिरी के खिलाफ मोदी का दृढ़ रुख देखकर कई अन्य देशों का हौसला भी बढ़ रहा है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल के दिनों में यह साबित कर दिया है कि भारत किसी भी दबाव में झुकने वाला देश नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके सलाहकारों ने भारत को रूस से तेल खरीदने और चीन-रूस के साथ संवाद रखने पर लगातार कोसा, लेकिन मोदी ने अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को मजबूती से थामे रखा। इसका नतीजा यह हुआ कि न केवल भारत की साख और आत्मविश्वास बढ़ा है, बल्कि जापान समेत कई एशियाई देशों का भी मनोबल ऊँचा हुआ है, जो अमेरिका की एकतरफा दादागिरी से असहज रहे हैं।

दूसरी ओर, ट्रंप को अब यह अहसास हो रहा है कि भारत पर दबाव बनाने की उनकी नीति उल्टी पड़ गई है। तेल, टैरिफ और यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत को घेरने की अमेरिकी कोशिशों ने दोनों देशों के ऐतिहासिक रिश्तों को दरार की ओर धकेल दिया है। यह विडंबना ही है कि ट्रंप ने अमेरिकी हितों के नाम पर बार-बार अपने व्यक्तिगत कारोबारी स्वार्थ साधे, कभी पाकिस्तान की वकालत करके, तो कभी चीन से बेमतलब का बैर लेकर। यही वजह है कि अमेरिका के भीतर ही उनकी आलोचना बढ़ रही है और उनके नेतृत्व की नाकामी उजागर हो रही है।

इसके विपरीत, वैश्विक मंच पर मोदी एक ऐसे नेता के रूप में उभरे हैं जो न केवल अमेरिका की आँखों में आँखें डालकर बात कर सकता है, बल्कि बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था का भी प्रतिनिधि बनकर खड़ा है। उन्होंने यह संदेश साफ़ कर दिया है कि भारत का लोकतंत्र किसी की कठपुतली नहीं है।

असल में, यह परिदृश्य दर्शाता है कि मोदी बनाम ट्रंप की टक्कर अब सिर्फ़ भारत-अमेरिका संबंधों का सवाल नहीं रह गई है, बल्कि यह वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने वाला विमर्श बन चुका है। भारत की रणनीतिक स्वायत्तता जितनी मजबूत होगी, उतना ही दुनिया के अन्य देशों को भी अमेरिका के दबाव से मुक्त होकर स्वतंत्र कूटनीति अपनाने का साहस मिलेगा।

इसके अलावा, शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रदर्शन केवल कूटनीतिक उपस्थिति भर नहीं था, बल्कि यह भारत की वैश्विक पहचान और मोदी की व्यक्तिगत नेतृत्व क्षमता का स्पष्ट साक्ष्य भी बन गया। इस सम्मेलन में जब व्लादिमीर पुतिन और शी जिनपिंग जैसे दिग्गज नेता भी सबसे अधिक संवाद मोदी से करते दिखे, तब यह संदेश पूरी दुनिया तक पहुँचा कि आज भारत केवल एक दर्शक या मध्यस्थ की भूमिका नहीं निभा रहा, बल्कि एजेंडा-निर्धारक शक्ति के रूप में उभर चुका है।

मोदी की छवि यहाँ एक संतुलित वैश्विक नेता के रूप में उभरती है— जो अमेरिका और पश्चिमी देशों से साझेदारी रखता है, रूस से ऐतिहासिक संबंध बनाए रखता है और चीन जैसे प्रतिस्पर्धी पड़ोसी से भी संवाद कायम रखता है। यही रणनीतिक संतुलन भारत को विशेष बनाता है और मोदी को एक ऐसे नेता के रूप में स्थापित करता है, जिसकी बात सुनी जाती है और जिसका रुख अनदेखा करना कठिन है।

बहरहाल, पूरी दुनिया के लिए यह संकेत है कि भारत अब न तो दबाव में झुकने वाला देश है, न ही किसी खेमे का अंधानुयायी। भारत का नेतृत्व अपने राष्ट्रीय हितों के साथ-साथ वैश्विक स्थिरता और शांति की दिशा में ठोस पहल करने की क्षमता रखता है। मोदी के इर्द-गिर्द SCO में केंद्रित यह संवाद इस बात का सबूत है कि वैश्विक मंचों पर भारत की रणनीतिक स्वायत्तता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। संक्षेप में कहा जाये तो SCO शिखर सम्मेलन से निकला सबसे बड़ा संदेश यही है— "भारत अब केवल एक उभरती हुई शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक कूटनीति का धुरी बन चुका है, और नरेंद्र मोदी उसका सबसे मुखर चेहरा हैं।"

वैश्विक कूटनीति के 'मोदी मॉडल' से मचे अंतरराष्ट्रीय धमाल के मायने

भारत-अमेरिका दोनों पक्ष यही चाहते भी हैं कि बातचीत लगातार जारी रहे, क्योंकि दो दशकों की मेहनत के बाद उन्होंने अपने संबंधों को यह ऊंचाई दी थी। यह कड़वा सच है कि इस दौरान यह द्विपक्षीय रिश्ता कभी भी तीसरे देश को देखकर निर्धारित नहीं हुआ।

कमलेश पांडे

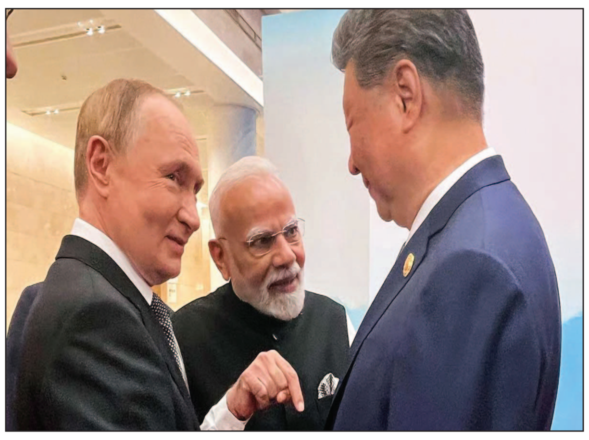

वैश्विक कूटनीति के 'मोदी मॉडल' से एक के बाद एक मचे अंतरराष्ट्रीय राजनयिक धमाल के मायने ब्रेक के बाद निरंतर दिलचस्प होते जा रहे हैं, क्योंकि ये अमेरिकी नेतृत्व वाली एक ध्रुवीय दुनिया से इतर बहुपक्षीय दुनिया को कतिपय मामलों में ग्रेस प्रदान करते हैं। समकालीन दुनियादारी में अमेरिकी हैकड़ी पर लगाम लगाते हुए भारत ने रूसी-चीनी खेमे के द्विध्रुवीय दुनिया के साथ खड़े होने की जो चतुराई दिखाई है, वह इसलिए कि अंतरराष्ट्रीय तौर पर उपेक्षित, पददलित और पिछड़े देशों यानी ग्लोबल साउथ के दूरगामी हितों को साधा जा सके।

चूंकि अब पूरी दुनिया में चीन के नेतृत्व में आयोजित हुए एससीओ की बैठक से जुड़ी पीएम नरेंद्र मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की आपसी पर्सनल केमिस्ट्री वाली तस्वीर वायरल हो चुकी है, इसलिए वैश्विक कूटनीतिक विशेषज्ञ उसका लगातार विश्लेषण कर रहे हैं और आए दिन बदलती दुनियादारी में अपनी माकूल जगह तलाश रहे हैं। जबकि भारत के साथ दोस्त बनकर गद्दारी की फितरत रखने वाला अमेरिका अब अपना सिर धुन रहा है।

चौंकाने वाली बात यह है कि लगातार भारत विरोधी विषबमन करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके आर्थिक सलाहकार पीटर के इतर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत-अमेरिकी संबंधों को फिर से संभालने की कोशिश की है। जिसके बाद केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल का भी एक बयान सामने आया है जो सकारात्मक संदेश देता है कि ट्रेड डील के लिए अमेरिका के साथ बातचीत चल रही है। हालांकि, ऑपरेशन सिंदूर के बाद जो अमेरिकी हठधर्मिता सामने आई है, उसके दृष्टिगत भारत को अब चीन की तरह ही अमेरिका के साथ भी अपनी शर्तों पर फूंक फूंक कर कदम आगे बढ़ाना पड़ेगा। क्योंकि ये लोग भरोसे के लायक नहीं हैं, खासकर वैश्विक वफादार मित्र रूस की तरह।

अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक विशेषज्ञ बताते हैं कि टैरिफ पर अड़ियल रुख के बावजूद ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन में ऐसे लोग भरे पड़े हैं, जो अमेरिका के लिए भारत के रणनीतिक महत्व के विविध आयाम को समझते हैं। लिहाजा, मार्को रुबियो उनमें से ही एक हैं। देखा जाए तो उनका बयान ही नहीं, बल्कि उसकी टाइमिंग भी काफी अहम है। जिस दिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ व्यापारिक रिश्ते को एकतरफा बताया, उसी दिन रुबियो ने इस साझेदारी को 21वीं सदी का निर्णायक रिश्ता करार दिया। यही नहीं, उन्होंने दोनों देशों की जनता के बीच बनी मित्रता को इंडिया-यूएस पार्टनरशिप का आधार बताकर हाल में आई कटुता को एक हद तक दूर करने का जो प्रयास किया है, वह उनकी दूरदर्शिता और बौद्धिक परिपक्वता की निशानी है।

जानकार बताते हैं कि दुनियावी तौर पर वयोवृद्ध राष्ट्रपति ट्रंप की छवि एक ऐसे अड़ियल राजनेता की बन चुकी है, जिसकी आदतें और नीतियां अस्थिर हैं, और वो व्यक्तिगत पसंद-नापसंद के आधार पर बदलती रहती हैं। जो राष्ट्रपति ट्रंप कभी पीएम मोदी के लिए कुर्सियां लगाते व पकड़े दिखाई देते हैं, वहीं उनके लिए अपमानित करने वाली बात कहेंगे, ऐसा सोचा भी नहीं जा सकता है, लेकिन ट्रंप ने बिल्कुल वैसा ही किया है। उन्होंने अपने पहले कार्यकाल में भी कई ऐसे बयान दिए थे, जिनके बारे में बाद में व्हाइट हाउस को सफाई तक देनी पड़ी। चाहे भारत-पाकिस्तान के बीच कश्मीर मसले पर मध्यस्थता का प्रस्ताव हो या फिर अमेरिकी चुनाव में दखल के मामले में रूस को क्लीनचिट देना- ट्रंप ने अपने विदेश विभाग को कई बार असमंजस में डाल दिया था। वहीं, बंगलादेश में हिन्दू उत्पीड़न की उन्होंने जिस तरह से जबर्दस्त मुखालफत की, उससे हिन्दू बहुल देश भारत में उनसे सहानुभूति हुई। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर और टैरिफ अटैक से जुड़ी शर्मनाक बयानबाजियों ने उनके तमाम सद्गुणों को धत्ता बता दिया। वहीं अगर मौजूदा वैश्विक और द्विपक्षीय हालात को देखें, तो ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में भी अब भी कुछ वैसा ही होता दिखाई पड़ रहा है। भले ही ट्रंप का रवैया बातचीत के सारे रास्ते बंद करने का है, लेकिन अमेरिकी रणनीतिकार जानते हैं कि इससे चीजें और बिगड़ती चली जाएंगी। ऐसे में भारत की वैश्विक भूमिका को अब हल्के में नहीं लिया जा सकता है। इसलिए अमेरिकी प्रशासन अब गम्भीर हो चुका है। क्योंकि पश्चिमी मीडिया पीएम मोदी की चीन यात्रा और वहां पर रूसी राष्ट्रपति पुतिन से हुई उनकी मुलाकात को अमेरिकी डिप्लोमैसी के लिए एक बड़े झटके के रूप में देख रहा है, जिससे उबरने में अब उसे वर्षों मेहनत करनी पड़ेगी।

हालांकि, भारत ने भी कूटनीतिक मामलों में हमेशा से ही चतुराई से काम लिया है, इसलिए उसने कभी भी द्विपक्षीय संवाद का रास्ता बंद नहीं किया है। हालिया केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का बयान इस बात का सबसे बड़ा सबूत है। निःसन्देह दुनियाभर में कारोबारी रिश्तों का विस्तार करने के बावजूद भी नई दिल्ली ने वॉशिंगटन के साथ पुराने संबंधों को नहीं छोड़ा है। इस कड़ी में यह भी अहम है कि दोनों देशों की सेनाएं संयुक्त अभ्यास के लिए अलास्का में जुटी हुई हैं।

भारत-अमेरिका दोनों पक्ष यही चाहते भी हैं कि बातचीत लगातार जारी रहे, क्योंकि दो दशकों की मेहनत के बाद उन्होंने अपने संबंधों को यह ऊंचाई दी थी। यह कड़वा सच है कि इस दौरान यह द्विपक्षीय रिश्ता कभी भी तीसरे देश को देखकर निर्धारित नहीं हुआ। इसलिए भारत ने फ्रांस, इंग्लैंड, जापान, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, रूस, चीन, ऑस्ट्रेलिया, सऊदी अरब, ईरान, आसियान देश आदि सबसे घनिष्ठ सम्बन्ध विकसित किये। लिहाजा मौजूदा अनुभवी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार को यह बात समझते हुए बातचीत के रास्ते खुले रखने चाहिए। उन्हें यह समझना होगा कि कुछ मामलों में ड्रैगन के व्यवहार से यूएस के बरक्स चीन के विश्वसनीय ताक़त होने पर संदेह होता है, इसलिए अमेरिका का भविष्य उज्जवल हो सकता है, बशर्ते कि वह भारत को साधकर चल सके।

अजब-गजब

प्रमोशन नहीं मिला तो महिला ने Boss से लिया ऐसा बदला, सोच भी नहीं सकते आप

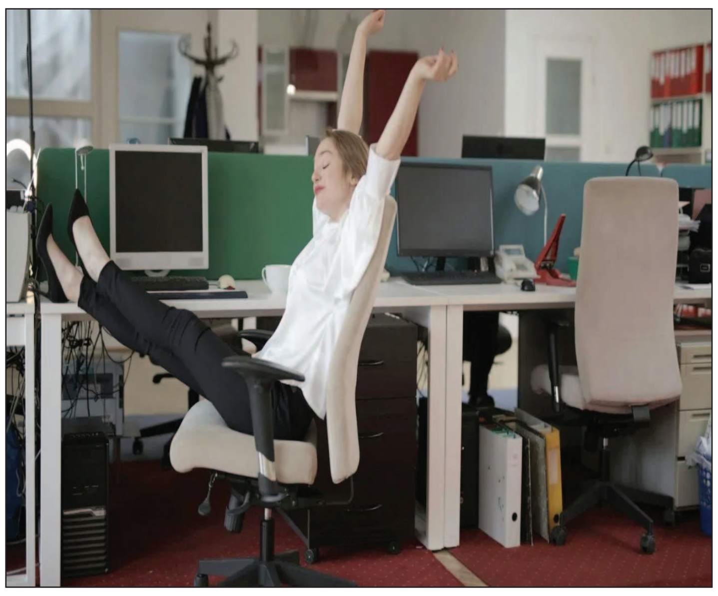

प्रमोशन नहीं मिला, तो एक महिला ने अपने बॉस से ऐसा गजब का बदला लिया, जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते। ऐसी स्थिति में अक्सर लोग मायूस हो जाते हैं, लेकिन इस महिला ने तो कमाल ही कर दिया। महिला ने न केवल कंपनी को खरीद लिया, बल्कि उस बॉस को भी बाहर रास्ता दिखा दिया, जिसने कभी उसे CEO बनाने से मना कर दिया था।

यह दिलचस्प कहानी है अमेरिकी बिजनेसवुमन जूलिया स्टीवर्ट (Julia Stewart)की, जो कभी Applebee's कंपनी की प्रेसिडेंट हुआ करती थीं। उनसे वादा किया गया था कि अगर वे कंपनी का मुनाफा करवाएंगी, तो उन्हें सीईओ बना दिया जाएगा। इसके बाद जूलिया ने अपनी एक टीम बनाई। फिर, दिन-रात कड़ी मेहनत करते तीन साल में ही कंपनी को घाटे से फायदे में ला दिया।

लेकिन जब वादा पूरा करने का समय आया, तो जूलिया के बॉस अपनी बात से मुकर गए, और उन्हें प्रमोशन देने से साफ मना कर दिया। और तो और, जब जूलिया ने इसकी वजह जाननी चाही, तो कोई जवाब नहीं दिया। इस धोखे से दुखी होकर जूलिया ने Applebee's से रिजाइन कर दिया।

Applebee's छोड़ने के बाद जूलिया ने इंटरनेशनल हाउस ऑफ पैनकेक (IHOP) जॉइन कर ली, जहां उन्होंने पांच साल काम किया, और उसे नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। जब IHOP के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स नई कंपनी खरीदने पर विचार कर रहे थे, तो जूलिया ने उन्हें अपनी पुरानी कंपनी Applebee's को खरीदने का सुझाव दिया।

फिर क्या था। सबकी सहमति बनते ही Applebee's को 2.13 बिलियन डॉलर (यानी लगभग 20, 243 करोड़ रुपये) में खरीद लिया गया और जूलिया अपनी ही पुरानी कंपनी की बॉस बन गईं।

जूलिया ने बॉस बनते ही सबसे सीईओ को चलता किया, जिसने कभी उनसे झूठा वादा किया था। उन्होंने यह कहानी हाल ही में एक पॉडकास्ट में सुनाई थी, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है।

ब्लॉग

नये युग में जापान-भारत मैत्री, भारत बनेगा ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब

मृत्युंजय दीक्षित

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में ठहराव आने और टैरिफ विवाद के मध्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा से दोनों देशों के मध्य जहां मैत्री प्रगाढ़ हो रही है वहीं नए अवसरों का युग भी प्रारंभ हो रहा है। जापान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गायत्री मंत्र तथा संस्कृत के श्लोकों के साथ अत्यंत भव्य स्वागत हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जापान की धरती पर पैर रखने से पहले जापान ने अमेरिका के साथ अपनी द्विपक्षीय वार्ता स्थगित करके वार्ताकारों के दल की वाशिंगटन यात्रा टाल दी। यह एक अत्यंत साहसिक और कड़ा संदेश है कि अब विश्व के देश अमेरिका के आगे नतमस्तक होने वाले नहीं हैं। ज्ञातव्य है कि अमेरिका लगातार जापान पर भी टैरिफ लगाने की धमकी दे रहा था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस यात्रा से पूर्व भी सात बार जापान की यात्रा कर चुके हैं किंतु ताजा यात्रा कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण व ऐतिहासिक रही। यात्रा में पहली बार जापान के साथ व्यापक सुरक्षा समझौता हुआ है तथा जापान ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत की नीतियों का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने जापानी समकक्ष शिगेरू इशिबा के साथ शिखर वार्ता की। इस वार्ता का उद्देश्य भारत और जापान के बीच व्यापार, निवेश और उभरती प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों सहित समग्र द्विपक्षीय संबधों को और विस्तारित करना था। दोनो देशों के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर हुए।

सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ये केवल एक संस्था की यात्रा नहीं है। ये यात्रा है भारत के संविधान और संवैधानिक मूल्यों की। ये यात्रा है एक लोकतंत्र के रूप में भारत के और परिपक्व होने की।

अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने जापान के कारोबारी समूहों को भारत में निवेश का आमंत्रण दिया। उन्होंने जापान में बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए कहा कि जापान तकनीक का पावर हाउस है और भारत प्रतिभा की महाशक्ति। दोनों देश मिलकर इस सदी की प्रौद्योगिकी क्रांति का नेतृत्व कर सकते हैं विशेष रूप से एआई, सेमी कंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, जैव प्रौद्योगिकी व अंतरिक्ष, मेट्रो नेटवर्क, विनिर्माण तथा स्टार्टअप के क्षेत्र में। उन्होंने कहा कि जापान हमेशा से भारत की विकास यात्रा में एक प्रमुख भागीदार रहा है। स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में संभवित सहयोग पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी की जापान यात्रा के दौरान 10 साल का आर्थिक रोडमैप तैयार किया गया है जिसके अंतर्गत जापान भारत में छह लाख करोड़ का निवेश करेगा। इससे पूर्व भारत-जापान शिखर वार्ता के बाद आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि, विश्व की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं और जीवंत लोकतंत्र के रूप में हमारी साझेदारी केवल दोनों देशों के लिए ही नहीं अपितु वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक बेहतर विश्व को आकार देने में मजबूत लोकतांत्रिक देश स्वाभविक साझेदार होते हैं। आज हमने अपनी साझेदारी में एक नए और सुनहरे अध्याय की नींव रखी है। हमने अगले दशक के लिए एक रोडमैप बनाया है।

प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे की एक विशेष बात यह भी रही कि भारत -जापान साझेदारी कोजापान में द्विदलीय समर्थन प्राप्त है। प्रधानमंत्री मोदी ने जापान के दो पूर्व प्रधानमंत्रियों योशीहिदे सुगा और फूमियो किशिदा से मुलाकात की। उन्होंने वहां के संसद अध्यक्ष व सांसदों के समूह के साथ चर्चा की। एक अनोखी पहल के तहत जापान के 16 राज्यों के गवर्नर ने प्रधानमंत्री से मुलाकात और निवेश आदि पर व्यापक चर्चा की। प्रधानमंत्री ने जापान के प्रधानमंत्री के साथ बुलेट ट्रेन में यात्रा की और भारतीय ड्राइवरों के साथ चर्चा की।अब इस बात की प्रबल संभावना है कि भारत में भी जल्द ही बुलेट ट्रेन का संचालन शुरू हो जाएगा जिसकी तैयारी चल रही है।

भारत और जापान के बीच रक्षा, मानव संसाधन आदान-प्रदान, डिजिटल नवाचार, क्रिटिकल मिनरल्स, क्लीन एनर्जी, अंतरिक्ष सहयोग और सांस्कृतिक साझेदारी सहित कुल 21 समझौते हुए हैं जो भारत-जपान मैत्री के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा अधिकांश समय प्रधानमंत्री मोदी के साथ रहे।

जापान के साथ हुए 21 द्विपक्षीय समझौते ही 21वीं सदी के नए भारत की नई विकासगाथा लिखने वाले हैं। भारत और जापान के मध्य हुई इस अहम साझेदारी का दर्द अमेरिका भूल नहीं पाएगा। उसे भारत के साथ अपने रिश्ते बिगाड़ने की गलती का निश्चित रूप से पछतावा होगा। प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा के दौरान भारत - जापान का अगले दशक के लिए संयुक्त दृष्टिकोण का डाक्यूमेंट भी जारी किया है। सुरक्षा सहयोग पर एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ है जिसके अंतर्गत दोनो देश आपसी संसाधनों व तकनीकी क्षमताओं का साझा उपयोग करेंगे। दोनों देशों की सेनाओं के मध्य बेहतर सामंजस्य स्थापित किया जाएगा। चंद्रयान-5 के लिए भी समझौता हुआ है जिसके अंतर्गत जापान के राकेट से ही अब चंद्रयान-5 लांच होगा। मानव संसाधन के क्षेत्र में भी बड़ा कदम उठाया गया है जिसमें दोनों देश पांच वर्षों में 5 लाख लोगों को रोजगार देंगे। इसमें 50 हजार कुशल और अर्ध कुशल पेशेवरों को जापान भेजा जाएगा। यह न सिर्फ व्यापारिक अपितु सांस्कृतिक और पर्यावरणीय सहयोग को भी बढ़ावा देगा। अब जापान के विश्वविद्यालयों में अधिक से अधिक भारतीय युवा पढ़ाई कर सकेंगे। भारत और जापान के मध्य डिजिटल पार्टनरशिप को बढ़ाने पर भी समझौता हुआ है। मोबिलिटी के क्षेत्र में हाई स्पीड रेल, बंदरगाहों, विमानन और जहाज निर्माण में भी तेजी आएगी।

जापान का नया निवेश न केवल रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा अपितु भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा साथ ही भारत के लोगों को बेहतर जीवनशैली के विकल्प भी देगा। भारत-जापान साझेदारी केवल आर्थिक सहयोग नहीं है अपितु यह साझा भविष्य की दिशा में एक मजबूत निवेश है। यह दोनों देशों के लिए समृद्धि और क्षेत्रीय सुरक्षा को सुनिश्चित करेगा। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना अति महत्वपूर्ण है कि भारत और जापान एक-दूसरे के लिए बने हैं।

अपराधियों के मददगार पुलिसवाले!

गोतस्करों को बचाया, मांस से भरी गाड़ी छिपाई... यूपी के 10 पुलिसकर्मियों पर क्या हुई कार्रवाई?

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में 10 पुलिसकर्मियों पर गाज गिरी है। सभी 10 पुलिसकर्मियों पर एसएसपी मुरादाबाद ने गाज गिराई है। एसएसपी मुरादाबाद सतपाल अंतिल ने 10 पुलिस वालों को निलंबित कर दिया है। एसएसपी ने यह कदम अनुशासनहीनता और जिम्मेदारी में लापरवाही पर जीरो टॉलरेंस नीति के तहत उठाया है। इस सख्त कार्रवाई से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है।

एसएसपी मुरादाबाद ने कहा कहा?

सभी पुलिसकर्मियों पर ड्यूटी के दौरान लापरवाही और अनुशासनहीनता के आरोप लगे हैं। इस बार गोतस्करों को बचाने और मांस से भरी गाड़ी छिपाने के लिए ये कार्रवाई हुई है। कहा जा रहा है कि कई और पुलिस वालों की शिकायतें भी उच्च अधिकारियों को प्राप्त हुई हैं, जिस पर जांच के बाद कार्रवाई की जा सकती है। इस कार्रवाई को लेकर एसएसपी मुरादाबाद सतपाल अंतिल ने कहा कि जिम्मेदारी और अनुशासन पुलिस डिपार्टमेंट में सबसे बढ़कर और सबसे ऊपर है।

पाकबड़ा थाने में 10 दिन में दूसरी बार पुलिसकर्मियों पर बड़ी कार्रवाई की गई है। निलंबित होने वाले पुलिसकर्मियों में थाना पाकबड़ा के प्रभारी निरीक्षक सहित 10 पुलिसकर्मी शामिल हैं। सस्पेंड किए गए पुलिसकर्मियों में नवनियुक्त थाना प्रभारी मनोज कुमार, उप निरीक्षक अनिल कुमार (चौकी प्रभारी ग्रोथ सेंटर), उप निरीक्षक महावीर सिंह, उप निरीक्षक तस्लीम (यूपी-112), मुख्य आरक्षी बंसत कुमार, मुख्य आरक्षी धीरेन्द्र कसाना, आरक्षी मोहित, आरक्षी मनीष, आरक्षी राहुल (यूपी-112) और आरक्षी चालक सोनू सैनी (यूपी-112) शामिल हैं।

ये कार्रवाई पुलिस डिपार्टमेंट के लिए एक चेतावनी

एसएसपी मुरादाबाद ने कहा कि पुलिसर्मियों को जनता की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनी रहे, इसके लिए हर समय मुस्तैद और अनुशासित रहना होगा। ये कार्रवाई उन अफसरों के खिलाफ की गई है जो अपने कर्तव्यों का पालन ठीक ढंग से नहीं कर पाए। एसएसपी सतपाल अंतिल द्वारा ये कार्रवाई पुलिस डिपार्टमेंट के लिए एक चेतावनी बताई जा रही है।

सतपाल अंतिल की ओर से की गई इस कार्रवाई का संदेश बिल्कुल साफ है कि अफसरों द्वारा ड्यूटी में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसएसपी का ये कदम जनता में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाने में काफी सहायत साबित हो सकता है।

डिजिटल एडिक्शन युवाओं के भविष्य के लिए खतरा

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संकाय भवन स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में बुधवार को वेलनेस सेंटर एवं व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में "डिजिटल एडिक्शन" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं में तेजी से बढ़ रही मोबाइल और इंटरनेट की लत के दुष्परिणामों पर जागरूक करना था। मुख्य वक्ता वेलनेस सेंटर के समन्वयक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी मोबाइल की लत में अपने जीवन का अमूल्य समय गंवा रही है। किसी भी चीज की लत तब खतरनाक हो जाती है जब वह व्यक्ति के नियंत्रण से बाहर हो जाए। डिजिटल एडिक्शन युवाओं के भविष्य के लिए खतरा है ।उन्होंने बताया कि मोबाइल पर रील्स या गेम्स देखने के दौरान मस्तिष्क से डोपामाइन हार्मोन स्रावित होता है, जिससे क्षणिक खुशी तो मिलती है लेकिन यही प्रक्रिया धीरे-धीरे लत में बदल जाती है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि जीवन की सच्ची खुशी अच्छे कार्यों और रचनात्मक

पुलिस ने जागरूकता अभियान चलाया

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनपद के सभी थानों पर गठित मिशन शक्ति टीमों एवं एंटी रोमियो स्क्वॉड द्वारा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया।

इस अभियान के अंतर्गत महिला पुलिसकर्मियों तथा मिशन शक्ति टीमों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों के प्रमुख बाजारों, कस्बों, शिक्षण संस्थानों, चौराहों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर जाकर महिलाओं व बालिकाओं को उनके अधिकारों, कल्याणकारी योजनाओं और सुरक्षा संसाधनों के प्रति जागरूक किया। इस दौरान महिला सशक्तिकरण से जुड़ी प्रमुख योजनाओं की जानकारी दी गई जिसमें मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना,निराश्रित महिला पेंशन योजना,राष्ट्रीय पोषण मिशन, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना,बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना महिला सुरक्षा हेतु हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई एवं पंपलेट वितरित किए गए अभियान के दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने आमजन विशेषकर युवतियों एवं महिलाओं से सीधा संवाद स्थापित कर उन्हें यह संदेश दिया कि किसी भी प्रकार की असुविधा या उत्पीड़न की स्थिति में वे निःसंकोच पुलिस से संपर्क करें।

प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि यह जागरूकता अभियान मिशन शक्ति के तहत निरंतर जारी रहेगा, ताकि समाज में महिला सुरक्षा को लेकर सकारात्मक वातावरण एवं जनसहभागिता को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

श्री गणेश विसर्जन जुलूस मे गाजे-बाजे के साथ निकला जुलूस

आर्यावर्त संवाददाता

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर के श्री गणपति महोत्सव केंद्रीय समन्वय समिति के तत्वावधान में गणपति विसर्जन की शोभायात्रा बड़े ही धूमधाम से निकाली गयी जिसमें युवाओं सहित महिलाएं भी काफी उत्साहित दिखी,लोग तिरंगें को हाथ मे लेकर लहराते नजर आए वही डीजे पर गणपति बप्पा मोरया की धुन पर लोग थिरकते हुए अबीर-गुलाल उड़ाए जिसमें श्री गणपति महोत्सव केंद्रीय समन्वय समिति बलरामपुर द्वारा वीर विनय चौराहा पर विर्सजन कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गेल्हापुर मंदिर के महंत बृजानंद महराज व विशिष्ट अतिथि के तौर पर सदर विधायक पलटू राम,नगर पालिका अध्यक्ष डॉ धीरेंद्र प्रताप सिंह 'धीरु' रहे आए हुए अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर गणेश प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तत्पश्चात समिति के पदाधिकारियों ने आए हुए

अतिथियों का बैच लगाकर अंग वस्त्र भेंट कर उनका स्वागत किया समिति के अध्यक्ष अविनाश मिश्रा ने सभी अतिथियों का आभार ज्ञापित किया तथा मंच का संचालन समिति के महामंत्री डॉ तुलसीश दुबे ने किया कार्यक्रम के दौरान जिसमे श्री गणपति महोत्सव केंद्रीय समन्वय समिति बलरामपुर के पदाधिकारी गण के लोगों ने श्री श्री 108 श्री गणेश पूजा समिति स्थान बगिया बाबा मंदिर भगवतीगंज के अध्यक्ष रवीन्द्र गुप्ता कमलापुरी को साफा बांधकर व अंग वस्त्र पहनाकर प्रशस्ति पत्र भेंट कर स्वागत किया गया वीर विनय चौराहे से गणेश प्रतिमाओ को अतिथियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया जो वीर विनय से चलकर मेन चौक, ठठेरी बाजार गर्ल्स कॉलेज देवीदयाल तिराहा,बड़े पुल से पुनःमेन चौक बाजार होते हुए मेजर चौराहा से कालीथान के रास्ते से राप्ती नदी के सिसई घाट ले जाकर विसर्जित किया गया सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक इंतजाम किया गया था कार्यक्रम में सदर विधायक पलटू राम,गेल्हापुर के महंत बृजानंन्द महाराज,धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू चैयरमैन,राज कुमार श्रीवास्तव एडवोकेट,अध्यक्ष अविनाश मिश्रा,डॉक्टर कुलदीप विश्वकर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ तुलसीश दुबे,मनीष तिवारी,महामंत्री मनोज साहू,अम्बरीष शुक्ला, अजय सिंह

'टायसन की गोली पता नहीं पूछती पंडित जी, शिकायत वापस ले लो, नहीं तो...' D-2 गैंग की खुली धमकी

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश की कानपुर कोतवाली थाना पुलिस ने D2 गैंग के शार्प शूटर, गैंगस्टर अपराधी टायसन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। कोतवाली पुलिस को शिकायत मिली थी कि शातिर आरोपी टायसन ने ऑपरेशन महाकाल में दूसरे जिले में तैनात एक एसीपी के खिलाफ तहरीर देने वाले मनोहर शुक्ला को रोककर धमकी दी। इस धमकी मे उसने कहा कि टायसन की गोली नाम और पता नहीं पूछती है, पंडित जी अपनी शिकायत वापस ले लो। इसके बाद वो मौके से भाग निकला।

मामले की जानकारी के बाद कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके शूटर की तलाश शुरू कर दी है। बताया जाता है कि कानपुर में कभी इंस्पेक्टर रहे एसीपी फिलहाल गैर जनपद में तैनात है। इनके खिलाफ दुबे गैंग से मिलकर लोगों का उत्पीड़न करने का मामला एसआईटी

के पास दर्ज है। इसी को लेकर पीड़ित को शिकायत वापस लेने के लिए शूटर ने धमकाया है और जान से मारने की धमकी दी है।

शिकायत कर्ता को मिली धमकी

कानपुर कमिश्नरेट के तेजाब मिल कैंपस रायपुरवा में रहने वाले प्रवीण कुमार शुक्ला उर्फ मनोहर शुक्ला ने बताया कि उन्होंने ऑपरेशन महाकाल में एक एसीपी और उसके गैंग के खिलाफ पुलिस कमिश्नर से शिकायत की है। इसकी एसआईटी जांच कर रही है। इसी शिकायत को लेकर वह 27 अगस्त को एसआईटी में अपने बयान दर्ज कराकर घर लौट रहे थे।

इसी दौरान कोतवाली में उनके कार के सामने और बगल में मोटरसाइकिल आकर रूकी। इसके बाद वह दहशत में आ गए। प्रार्थी ने कार रोके जाने का कारण मोटरसाइकिल सवालों से पूछा तो उक्त मोटरसाइकिल सवार बोले टायसन की गोली नाम नहीं पूछती है, पंडित जी शिकायत वापस ले लो, नहीं तो जान से हाथ धोना पड़ जाएगा।

टायसन के खिलाफ केस दर्ज

दरअसल शातिर अपराधी टायसन और उसके लोग डीटू गैंग के शार्प शूटर हैं। प्रार्थी ने जिन लोगों के विरुद्ध अपने साथ हुई धोखाधड़ी के सन्दर्भ में एफआईआर लिखवाने हेतु पुलिस कमिश्नर से शिकायत की थी उन्हीं लोगों ने प्रार्थी को जान से मारने की डर दिखाकर शिकायत वापस लेने हेतु धमकाया है।

टायसन की तलाश में जुटी पुलिस

फिलहाल पीड़ित की शिकायत पर मामले का संज्ञान लेते हुए कोतवाली प्रभारी जगदीश पांडेय ने शातिर टायसन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने टायसन की तलाश में उसके घर भी छापेमारी की, लेकिन बताया जा रहा है कि धमकी देने के बाद से टायसन घर छोड़कर भाग निकला है।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना विषयक कार्यशाला का डीएम करेंगे शुभारंभ आज

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। परियोजना अधिकारी यूपीनेडा ने जानकारी देते हुए बताया है कि दिनांक 04.09.2025 को 11.00 बजे प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अन्तर्गत जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार द्वारा कार्यशाला एवं एक माह का जन- जागरूकता एवं सोलर स्टालेशन अभियान को शुभारंभ कलेक्ट्रेट से किया जायेगा। जन जागरूकता अभियान मे दिनांक 05 सितम्बर 2025 से लेकर 05 अक्टूबर 2025 तक यूपीनेडा मे पंजीकृत वेंडर/फर्म द्वारा एवं विभन्न विभागो द्वारा शिविर चौपाल एवं कार्यशाला के माध्यम से जनपद के निवासियों को पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के लाभ के विषय मे जानकारी प्रदान किया जायेगा कि इससे विद्युत बिल में कमी के साथ ही अनुदान के रूप मे एक किलोवाट पर 45000, दो किलोवाट पर 90000 एवं तीन किलोवाट पर 108000 रूपये का लाभ उपभोक्ता को मिलेगा।पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना मे जनपद मीरजापुर मे अब तक 1892 उपभोक्ता सोलर सयंत्र लगाकर प्रति माह 52 लाख रूपये एवं प्रति वर्ष 6 करोड 25 लाख रूपये से अधिक का बिजली का बिल बचाने के साथ पर्यावरण सरंक्षण में योगदान कर रहे है।पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में आवेदन निशुल्क होगा एवं सोलर सयंत्र लगाने के लिए सभी राष्ट्रीयकृत बैंक एवं सहकारी बैंक द्वारा मात्र 6 प्रतिशत ब्याज पर आसानी से लोन उपलब्ध करा रहे है।

अपने ही थाने में इंस्पेक्टर-दारोगा के खिलाफ केस, चोरी-डकैती के आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में चकेरी थाना है। इस थाने के इंस्पेक्टर-दारोगा के खिलाफ इसी पुलिस स्टेशन में केस दर्ज हुआ है। लाल बंगला निवासी एक महिला की शिकायत पर चकेरी इंस्पेक्टर संतोष कुमार शुक्ला, तत्कालीन चौकी प्रभारी अंकित खटाना के खिलाफ डकैती, दंगा, चोरी और तोड़फोड़ जैसी गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। पीड़िता का आरोप है कि हाईकोर्ट और एफटीसी सीनियर डिवीजन कोर्ट में विचाराधीन विवादित प्लॉट पर पुलिस व बाहरी लोगों की मदद से जबरन कब्जा कराया गया।

चंद्र नगर निवासी संगीता जायसवाल ने बताया कि जिस प्लॉट पर विवाद है, उस पर उनकी दुकानों का निर्माण है और वह नियमित रूप से नगर निगम को हाउस टैक्स भी

जमा करती हैं। उनका कहना है कि यह जमीन सुशील और अभिषेक के साथ लंबे समय से विवादित है। बावजूद इसके, 29 मार्च को चकेरी इंस्पेक्टर संतोष शुक्ला, चौकी प्रभारी अंकित खटाना, योगी बिल्डर, धर्मेंद्र यादव समेत 3040 अज्ञात लोगों ने पुलिस बल के साथ पहुंचकर प्लॉट का मेन गेट और दीवार तोड़ डाली और कब्जा दिला दिया।

पुलिस अफसरों पर क्या हैं आऱोप?

संगीता जायसवाल का आरोप है कि इस दौरान पुलिस और आरोपियों ने उनके परिजन, भतीजे-भतीजी को लाठी-डंडों से पीटा, लेकिन मेडिकल रिपोर्ट में चोटों का जिक्र नहीं किया गया। उल्टा पीड़ित पक्ष पर ही शांति भंग की कार्रवाई कर चालान कर दिया गया। उन्होंने बताया कि कब्जे की कार्रवाई के दौरान घर में रखे मोबाइल और लैपटॉप भी जब्त कर लिए गए। साथ ही करीब डेढ़ करोड़ रुपये मूल्य का सामान ट्रक में भरकर ले जाया गया।

महिला ने यह भी दावा किया कि उनके घर से लगभग छह लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण, जिनमें चेन, चूड़ियां, पायल, झुमकी और कमर पेटी शामिल थीं, भी चोरी कर लिए गए। पीड़िता के अनुसार, पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है और यह सबूत के तौर पर उपलब्ध है।

पुलिस कमिश्नर के आदेश पर FIR दर्ज

संगीता जायसवाल ने इस मामले की शिकायत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मुख्य सचिव, डीजीपी और पुलिस कमिश्नर से की थी। शिकायत और जांच के बाद पुलिस कमिश्नर ने एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। इसके बाद इंस्पेक्टर संतोष शुक्ला, दरोगा अंकित खटाना समेत अन्य नामजद और अज्ञात आरोपियों पर डकैती, दंगा, चोरी, चोट पहुंचाने और तोड़फोड़ की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया।

फिलहाल यह मामला कानपुर में चर्चा का विषय बना हुआ है। सवाल उठ रहे हैं कि जब जमीन विवाद कोर्ट में लंबित था, तो आखिर किस दबाव में पुलिस ने इस तरह की कार्रवाई की। जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे इस प्रकरण में और बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

मानवीय गुणों को अपनाने की जरूरत: पंकज

जौनपुर। जयगुरुदेव धर्म प्रचारक संस्था की 122 दिवसीय शाकाहार-सदाचार मद्यनिशेध आध्यात्मिक जनजागरण यात्रा ने रैक्ल ब्रह्म बाबा मैदान धरौरा में पड़ाव डाला। यहां आयोजित सत्संग संदेष में पंकज जी महाराज ने कहा कि मानव जीवन बहुत अनमोल है, इसे व्यर्थ नहीं करना चाहिए। प्रभु की प्राप्ति करने वाले किसी सन्त सत्गुरु की तलाष करें और उनकी दी हुई साधना को करके अपना कल्याण करा लें। कहा कि कलियुग में गृहस्थ आश्रम पर रहकर भी सुरत शब्द योग (नाम योग) की साधना की जा सकती है। समय आ गया है कि हम परस्पर प्रेम सद्भाव से रहने की आवश्यकता है। एक-दूसरे की निःस्वार्थ भाव से सेवा करने और प्रेम, दया, करुणा आदि मानवीय गुणों को अपनाने की जरूरत है। अपने दो घण्टे के प्रवचन में पंकज जी महाराज ने लोगों को अध्यात्मवाद के गूढ़ रहस्यों पर प्रकाष डाला और साधना करने की विधि बताई।

5KM लंबा पुल और कई फ्लाईओवर... मिनटों में पूरा होगा प्रयागराज से मिर्जापुर का सफर ; फोर लेन होगी पूरी सड़क

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज-मिर्जापुर रोड पर जाम की समस्या को कम करने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग डिवीजन ने इस सड़क को चार लेन का हाईवे बनाने का प्रस्ताव रखा है। इसके तहत 5 किलोमीटर लंबा पुल और 80 किलोमीटर लंबी सड़क पर कई फ्लाईओवर बनाए जाएंगे। प्रयागराज-मिर्जापुर सड़क मार्ग प्रयागराज के सबसे व्यस्ततम रोड में गिना जाता है। यहां शक्ति पीठ विंध्याचल होने की वजह से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रहती है।

सड़क जाम एक बड़ी समस्या है जिसका निदान अब होने जा रहा है। इस मार्ग का केवल 22 किमी हिस्सा चार लेन का है, लेकिन अब शेष बचे 58 किमी के फोर लेन की कवायद शुरू हो गई है। इसके लिए नया प्रस्ताव आया है। इस प्रस्ताव के

तहत शेष 58 किमी हिस्से को चौड़ा किया जाएगा, ताकि वाहनों की बढ़ती संख्या को संभाला जा सके। इस योजना का उद्देश्य न केवल यात्रा समय कम करना है, बल्कि सड़क सुरक्षा को भी बढ़ाना है।

केंद्र सरकार की मंजूरी का इंतजार

राष्ट्रीय राजमार्ग प्रभाग-I (PWD) के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर रविंद्र पाल सिंह ने बताया कि प्रस्ताव को पिछले वित्तीय वर्ष में भेजा गया था और यह वर्तमान में केंद्र सरकार की मंजूरी का इंतजार कर रहा है। जैसे ही स्वीकृति मिलेगी, निर्माण चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। इसके निर्माण से न केवल क्षेत्रीय विकास और यातायात को सुविधा मिलेगी, बल्कि व्यापार, लॉजिस्टिक्स और दोनों शहरों के बीच संपर्क को भी मजबूती मिलेगी।

एलिवेटेड ब्रिज का भी होगा निर्माण

इस मार्ग पर प्रस्तावित 5 किमी लंबे एलिवेटेड ब्रिज का निर्माण होना है, जिसकी मंजूरी मिल चुकी है। नैनी सेंट्रल जेल से एडीए मोड़ तक बनेगा, जिससे भीड़भाड़ वाले इलाकों से निर्बाध यातायात सुगम होगा। एलिवेटेड ब्रिज के अलावा प्रस्ताव में कई नए फ्लाईओवर और रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) भी शामिल हैं, जिनकी लंबाई 500-700 मीटर होगी। इन्हें महत्वपूर्ण स्थानों पर बनाया जाएगा, ताकि ट्रैफिक का प्रवाह और सुगम हो सके।

पूर्व मुख्यमंत्री एवं स्वतंत्रता सेनानी पं कमलापति त्रिपाठी की मनाई गई जयंती

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में आवास विकास कॉलोनी स्थित कमलापति त्रिपाठी पार्क में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री संविधान सभा के सदस्य महान स्वतंत्रता सेनानी पं कमलापति त्रिपाठी की 120 वी जयंती मनाई गई। जिला अध्यक्ष डॉ शिवकुमार सिंह पटेल ने कहा कि स्वर्गीय पंडित कमलापति त्रिपाठी महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। उत्तर प्रदेश में पूरे देश का विकास किया था। जिला पंचायत सदस्य शिव शंकर चौबे ने मूर्ति पर माल्यार्पण करते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्व कमलापति त्रिपाठी काशी के गौरव और प्रदेश में विकास कराने के नाम से जाने जाते थे। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य एवं मीडिया प्रभारी मिन्हाज अहमद छोटे खान ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलापति त्रिपाठी के मूर्ति

पर माल्यार्पण करते हुए कहा कि कमलापति त्रिपाठी देश एवं प्रदेश में बहुत बड़ा योगदान रहा है। आज उन्हीं के द्वारा रेल कारखाने एवं उद्योग लगाए गए हैं। आज उसी का लाभ जनता को मिल रहा है। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष गुलाबचंद पांडे जिला पंचायत सदस्य कृष्णा भोपाल चौधरी रमेश चंद प्रजापति पप्पू अमरनाथ पांडे शकील अहमद रामनाथ दुबे सतीश शर्मा प्रमोद गुप्ता राजेंद्र विश्वकर्मा इश्तियाक अंसारी कपिल कुमार सोनकर कुंज बिहारी आनंद कुमार त्रिपाठी बृजेश द्विवेदी छोटू चौबे संतोष यादव दिलीप मौर्य राम लखन मास्टर कन्हैया लाल पाठक अशोक पटेल आदि मौजूद रहे।

गिफ्ट ही नहीं ये तरीके भी बना देंगे सेलिब्रेशन को खास, स्टूडेंट्स आजमाएं ये ट्रिक्स

टीचर्स डे के दिन स्टूडेंट अपनी मैडम को गिफ्ट या कार्ड देते हैं।जिसमें वह उनकी तारीफ और शुक्रिया नोट लिखते हैं।इसके अलावा और कई तरीकों से भी अपनी क्लास या पसंदीदा टीचर्स के लिए इस दिन को स्पेशल बना सकते हैं।इसके लिए आप इस आर्टिकल में दिए गए इंटरेस्टिंग टिप्स से आइडिया ले सकती हैं।

हर साल 5 सितंबर को भारत में टीचर्स डे मनाया जाता है,जिसका उद्देश्य शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करता है।स्कूल और कॉलेज में इस दिन को सेलिब्रेट करने के लिए कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।कई जगहों पर12क्लास के स्टूडेंट्स टीचर बनकर क्लासिस लेते हैं।बच्चे अपने टीचर्स के लिए गिफ्ट या हैंडमेड कार्ड लेकर जाते हैं,जिसपर उनके प्रति आभार व्यक्त करने के लिए कुछ न कुछ जरूर लिखा जाता है।लेकिन इसके लिए ही अपने पसंदीदा या ट्यूशन टीचर के लिए इस दिन को खास बनाया जा सकता है।

अगर आप इस दिन को अपनी टीचर के लिए खास बनाना चाहते हैं,तो इसमें सिर्फ महंगे गिफ्ट देकर ही नहीं।आप कुछ अलग कर सकते हैं।जिससे उन्हें अच्छा महसूस होगा।जिसके लिए आप इस आर्टिकल में दिए गए इंटरेस्टिंग टिप्स को अपना सकते हैं।

क्लास को सजाएं

अगर सभी स्टूडेंट मिलकर अपनी क्लास टीचर को सरप्राइज देना चाहते हैं,तो इसके लिए आप उन्हें खुश करने के लिए पूरी क्लास को डेकोरेट कर सकते हैं।इसमें आप गुब्बारे से क्लास को सजा सकते हैं।इसके अलावा ब्लैक बोर्ड पर टीचर के बारे में कुछ खास बातें लिख सकते हैं।जिससे पढ़कर उनका मन प्रसन्न हो जाए।सभी स्टूडेंट एक साथ मिलकर उन्हें टीचर डे विश करें।स्कूल या कॉलेज में एक नोटिस बोर्ड पर सभी टीचर्स के नाम और उनके बारे में छात्रों की राय लिखें।

टीचर को दें थैंक्यू नोट

आप टीचर को थैंक्यू नोट दे सकते हैं।ज्यादातर बच्चे कार्ड गिफ्ट करते हैं।लेकिन इसके अलावा पूरी क्लास के स्टूडेंट एक साथ मिलकर एक स्क्रैपबुक पर अलग-अलग कर टीचर की तारीफ में उनके लिए और आप उन्हें क्यों पसंद करते हैं,इसके बारे में लिख सकते हैं।साथ ही इस स्क्रैपबुक के फ्रंट पेज को डेकोरेट कर सकते हैं और अंदर लिखने के लिए अलग-अलग तरह के पेन का उपयोग कर सकते हैं।

एक खूबसूरत तोहफा

जरूरी नहीं की हर बच्चे टीचर के लिए अलग-अलग गिफ्ट लेकर आए।पूरी क्लास मिलकर क्लास टीचर के लिए एक ही गिफ्ट ले सकती है।आप उन्हें फुलों का गुलदस्ता या फिर इनडोर प्लांट गिफ्ट कर सकते हैं।उन्हें किताब देना भी एक बेहतर ऑप्शन रहेगा।इसके अलावा नेकलेस या ईयररिंग्स गिफ्ट कर सकते हैं।यह आपको100से सभी तरह के रेट में आसानी से मिल जाएंगे।

वीडियो बनाएं

आप और सभी स्टूडेंट मिलकर एक साथ छोटी सी वीडियो बनाकर सकते हैं।इसे घर पर भी बनाकर एक साथ एडिट कर सकते हैं।वीडियो बनाकर अपनी टीचर या फिर स्कूल के व्हाट्सएप ग्रुप में शेयर कर सकते हैं।यह वीडियो आपकी टीचर को बहुत पसंद आएगी।उसमें आप टीचर को हैप्पी टीचर डे विश कर सकते हैं।साथ ही उनकी तारीफ में कुछ शब्द बोल सकते हैं।

कोको भी है एक फल, जानिए इससे मिलने वाले स्वास्थ्य लाभ

कोको एक फल है, जिससे चॉकलेट बनाई जाती है। यह फल कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है और इसका उपयोग सेहत के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। कोको में ऐसे तत्व होते हैं जो शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा कोको का सेवन दिल की सेहत, मानसिक स्वास्थ्य और त्वचा की देखभाल के लिए भी किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि कोको का सेवन करने से क्या-क्या लाभ मिल सकते हैं।

दिल की सेहत के लिए है लाभदायक

कोको में कुछ खास तत्व होते हैं, जो दिल की सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। ये तत्व रक्तचाप को कम करने, रक्त संचार को बेहतर बनाने और दिल को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा कोको का सेवन करने से खराब कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी कम होता है, जिससे दिल की बीमारी का खतरा घटता है। रोजाना कोको का सेवन करने से दिल संबंधित समस्याओं का जोखिम कम होता है और शरीर स्वस्थ रहता है।।

मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर करने में है सहायक

कोको का सेवन मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद हो सकता है। इसमें मौजूद तत्व मस्तिष्क में रक्त संचार को बेहतर बनाते हैं, जिससे मस्तिष्क को अधिक ऑक्सीजन मिलती है और मानसिक थकान दूर होती है। इसके अलावा कोको का सेवन करने से याददाश्त भी बेहतर होती है और मस्तिष्क की कार्यक्षमता में सुधार होता है। नियमित रूप से कोको का सेवन करने से मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है और मस्तिष्क अधिक सक्रिय रहता है।

त्वचा की देखभाल के लिए है अच्छा

कोको में मौजूद तत्व त्वचा की देखभाल करने में मदद कर सकते हैं। ये तत्व त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचाते हैं, उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करते हैं और त्वचा को नमी प्रदान करते हैं। इसके अलावा कोको में मौजूद तत्व त्वचा की सूजन को कम करते हैं और इसे स्वस्थ बनाए रखते हैं। नियमित रूप से कोको का सेवन करने से त्वचा की चमक बढ़ती है और यह अधिक युवा दिखती है।

वजन प्रबंधन में है सहायक

वजन प्रबंधन के लिए भी कोको का सेवन फायदेमंद हो सकता है। इसमें मौजूद फाइबर पेट भरने का अहसास देता है, जिससे बार-बार भूख नहीं लगती और ज्यादा खाने से बचाव होता है। इसके अलावा कोको शरीर की ऊर्जा को बढ़ाता है, जिससे शरीर चर्बी को तेजी से जलाता है। नियमित रूप से कोको का सेवन करने से वजन नियंत्रित रहता है और मोटापे का खतरा कम होता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती प्रदान करने में है कारगर

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए भी कोको का सेवन फायदेमंद हो सकता है। इसमें मौजूद तत्व शरीर की रक्षा प्रणाली को मजबूत बनाते हैं, जिससे शरीर संक्रमण से लड़ने में सक्षम होता है। इसके अलावा कोको में मौजूद खनिज भी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देते हैं। नियमित रूप से कोको का सेवन करने से शरीर की रक्षा क्षमता में सुधार होता है और बीमारियों का खतरा कम होता है।

बिना झुके खड़े-खड़े घटाएं वजन, आसान तरीका अपनाएं अभी!

खास बात है कि कुछ योगासनों के अभ्यास में झुकने की ज़रूरत नहीं होती, इसलिए कमर और पीठ दर्द वाले लोग भी इन्हें कर सकते हैं। ये योगासन न सिर्फ कैलोरी बर्न करने में मदद करते हैं बल्कि शरीर को ऊर्जावान और फिट भी बनाते हैं।

आजकल वजन घटाने के लिए लोग जिम, डाइट प्लान और महंगे फिटनेस प्रोग्राम्स का सहारा लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आप बिना झुके, सिर्फ खड़े-खड़े भी वजन घटा सकते हैं? फिटनेस एक्सपर्ट्स के अनुसार कुछ आसान खड़े होकर किए जाने वाले वर्कआउट और योगासन से फैट बर्न करना आसान हो जाता है। यह तरीका खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जिनके पास जिम जाने का समय नहीं होता। बस बिना झुके सिर्फ खड़े-खड़े योगासन, एक्सरसाइज और सही पॉश्चर अपनाकर वजन घटा सकते हैं।

योग में कई ऐसे आसान आसन हैं जिन्हें खड़े-खड़े किया जा सकता है जैसे ताड़ासन, वृक्षासन और त्रिकोणासन। ये आसन बॉडी बैलेंस बेहतर करते हैं, पेट की चर्बी घटाते हैं और शरीर को एनर्जी से भर देते हैं। सबसे खास बात यह है कि इन योगासन में झुकने की ज़रूरत नहीं होती, इसलिए कमर और पीठ दर्द वाले लोग भी इन्हें कर सकते हैं। ये योगासन न सिर्फ कैलोरी बर्न करने में मदद करते हैं बल्कि शरीर को ऊर्जावान और फिट भी बनाते हैं।

ज्यादा से ज्यादा कैलोरी बर्न करने के लिए सबसे पहला आसन सूर्य नमस्कार है। यह एक पूरा वर्कआउट है जिसमें 12 योग स्टेप्स होते हैं। यह पूरे शरीर की मांसपेशियों पर असर करता है। सूर्य नमस्कार करने से हार्ट बीट तेज होती है, जिससे फैट जलता है। इसके अलावा इससे शरीर में ज्यादा ऑक्सीजन जाती है, मेटाबॉलिज्म तेज होता है और कैलोरी बर्न होती है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सूर्य नमस्कार करने से 80-90 कैलोरी तक बर्न हो सकती है।

सूर्य नमस्कार के अलावा वीरभद्रासन आसन करने से भी ज्यादा से ज्यादा कैलोरी बर्न होती है। वीरभद्रासन, जिसे योद्धा पोज भी कहा जाता है। यह आसन आपके पैरों, पेट और हाथों को मजबूत करता है। इस योग में शरीर को बैलेंस रखना पड़ता है, जिसमें काफी मेहनत लगती है। इससे मसल्स बनती हैं और ज्यादा कैलोरी बर्न होती है।

खड़े-खड़े स्ट्रेचिंग से कैलोरी बर्न करें

स्ट्रेचिंग से आप पेट, कमर, हाथ-पैरों की जिद्दी चर्बी को घटा सकते हैं। खड़े होकर की जाने वाली स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज जैसे साइड बेंड, आर्म स्ट्रेच और नेक स्ट्रेच शरीर की फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ाते हैं और ब्लड सर्कुलेशन सुधारते हैं। रिसर्च बताती है कि महज 10 से 15 मिनट की स्ट्रेचिंग से मेटाबॉलिज्म एक्टिव होता है और शरीर कैलोरी बर्न करना शुरू करता है। सुबह उठकर या रात को सोने से पहले यह तरीका अपनाना बेहद असरदार है।

खड़े होकर करें ये योगासन

ताड़ासन

ताड़ासन सबसे आसान और प्रभावी योगासन है जिसे खड़े होकर किया जाता है। यह शरीर की पॉश्चर को सही करता है और मांसपेशियों को एक्टिव बनाता है। रोज़ाना 5 मिनट ताड़ासन करने से पेट की चर्बी और कमर की लटकती चर्बी पर कंट्रोल मिलता है।

वृक्षासन

यह योगासन बॉडी बैलेंस को बेहतर करता है और कोर मसल्स को मजबूत बनाता है। वृक्षासन करने से जांघों और पेट की चर्बी घटती है। साथ ही, यह दिमाग को शांत और एकाग्र करता है।

त्रिकोणासन

त्रिकोणासन खड़े-खड़े किया जाने वाला आसन है जिसमें शरीर साइड स्ट्रेच करता है। यह पेट और कमर की चर्बी को कम करने में बेहद कारगर है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर की लचीलापन भी बढ़ती है।

उत्कटासन

उत्कटासन को चेयर पोज भी कहते हैं। इसमें खड़े होकर बैठने जैसा आसन बनाया जाता है। यह योगासन जांघ, हिप्स और पैरों की चर्बी घटाने में मदद करता है। इसे रोज़ाना 3–4 बार दोहराने से फैट बर्न तेजी से होता है।

भारी मंदी के कगार पर अमेरिका, मूडीज ने जारी की चेतावनी, एक-तिहाई अर्थव्यवस्था पहले से संकट में

मूडीज एनालिटिक्स के मुख्य अर्थशास्त्री मार्क जांडी ने चेताया है कि अमेरिका गहरी मंदी की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि एक-तिहाई जीडीपी देने वाले राज्य पहले ही मंदी की चपेट में हैं या करीब पहुंच चुके हैं। सरकारी नौकरियों में भारी कटौती और धीमी रोजगार वृद्धि इस गिरावट के संकेत हैं। सरकार के दावे से यह आकलन एकदम उलट है।

मूडीज एनालिटिक्स के मुख्य अर्थशास्त्री मार्क जांडी ने अमेरिका की अर्थव्यवस्था के लिए अब तक की सबसे गंभीर मंदी की चेतावनी दी है। उनका कहना है कि राष्ट्रीय आंकड़े भले ही ठीक दिख रहे हों, लेकिन क्षेत्रीय और नौकरी से जुड़े आंकड़े गहरी कमजोरी दिखा रहे हैं। यह चेतावनी सरकार के आकलन से बिल्कुल उलट है। जांडी के अनुसार, अमेरिका का लगभग एक-तिहाई जीडीपी उन राज्यों से आता है, जो या तो पहले से ही मंदी में हैं या इसके बहुत करीब पहुंच चुके हैं।

उत्तर-पूर्व, मध्य-पश्चिम और वाशिंगटन डीसी क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित हैं, जहां सरकारी नौकरियों में कटौती हो रही है। इस साल जनवरी से मई तक वाशिंगटन डीसी में 22,100 सरकारी नौकरियां खत्म की गई हैं। यह कटौती ट्रंप के शपथ ग्रहण के बाद शुरू की गई थी। दूसरा एक तिहाई हिस्सा स्थिर है, जबकि बाकी एक तिहाई में वृद्धि हो रही है।

जांडी का कहना है कि दक्षिणी राज्य आगे बढ़ रहे हैं, पर रफ्तार धीमी हो रही है। जांडी ने मंदी या मंदी के जोखिम वाली श्रेणी में अमेरिका के 22 राज्यों को रखा है। स्थिर लेकिन कमजोर राज्यों की श्रेणी में 13 राज्य हैं। जांडी के मुताबिक, पिछले माह अमेरिका में केवल 73,000 नई नौकरियां सृजित हुईं, जो उम्मीद से बहुत कम हैं। मई व जून के आंकड़े भी संशोधित किए गए हैं, जिससे तीन महीने की औसत नौकरी वृद्धि केवल 35,000 रह गई है। 400 उद्योगों में आधे से ज्यादा में नौकरियां कम हो रही हैं, जो इतिहास में मंदी का संकेत रहा है।

दुनिया और भारत पर ये होगा असर

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के नाते अमेरिका में मंदी का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी दिखेगा। दुनियाभर के शेयर बाजारों में गिरावट आ सकती है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में रुकावट आने से वैश्विक व्यापार और कमजोर हो सकता है। वहीं दूसरी ओर, वैश्विक अर्थव्यवस्था में तेजी से आगे बढ़ रहे भारत भी अमेरिकी मंदी से अछूता नहीं रहेगा। भारत के प्रमुख निर्यात क्षेत्र, जैसे सूचना प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स और कपड़ा, अमेरिकी बाजार पर बहुत हद तक निर्भर हैं। अमेरिका में मांग घटने से इन क्षेत्रों में निर्यात कम हो सकता है, जिससे भारतीय कंपनियों की आय प्रभावित होगी। इसके अलावा, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में रुकावटें भारतीय निर्यातकों के लिए चुनौतियां बढ़ा सकती हैं। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में कमी भी भारत की आर्थिक वृद्धि को प्रभावित कर सकती है।

ट्रंप के टैरिफ से अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र में लगातार छठे महीने गिरावट

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की ओर से दूसरे देशों के खिलाफ लगाए गए भारी भरकम टैरिफ का दुष्प्रभाव अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र पर नजर आने लगा है। अगस्त में अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र में लगातार छठे महीने गिरावट दर्ज की गई। फैक्ट्रियों को ट्रंप प्रशासन के आयात शुल्कों से निपटना पड़ रहा है। कुछ कारोबारियों ने वर्तमान स्थिति को महामंदी से भी अधिक खराब करार दिया है। इंस्टीट्यूट फॉर सप्लाई मैनेजमेंट (आईएसएम) की तरफ से मंगलवार जारी सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ निर्माताओं ने शिकायत की है कि अत्यधिक आयात शुल्क के कारण अमेरिका में वस्तुओं के निर्माण करना मुश्किल हो रहा है। सेंटेंडर यूएस कैपिटल मार्केट्स के मुख्य अमेरिकी अर्थशास्त्री स्टीफन स्टेनली ने कहा, मैं व्यापक अर्थव्यवस्था को, तथा विशेष रूप से विनिर्माण क्षेत्र को टैरिफ संबंधी अनिश्चितता के समाप्त होने तक स्थिर स्थिति में ही देखता हूं।

कागज से मशीनरी तक 10 उद्योगों में गिरावट आईएसएम ने बताया कि उसका विनिर्माण पीएमआई जुलाई के 48.0 से बढ़कर पिछले महीने 48.7 हो गया। पीएमआई का 50 से नीचे का स्तर विनिर्माण क्षेत्र में संकुचन दर्शाता है, जिसका अर्थव्यवस्था में 10.2 फीसदी योगदान है। अर्थशास्त्रियों ने अनुमान लगाया था कि पीएमआई बढ़कर 49.0 हो जाएगा। जिन 10 उद्योगों में गिरावट दर्ज की गई, उनमें कागज उत्पाद, मशीनरी, विद्युत उपकरण, उपकरण और कलपुर्जे के साथ ही कंप्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद बनाने वाले उद्योग भी शामिल हैं।

शुगर मिलों और डिस्टिलरी को गन्ने से एथेनॉल बनाने की पूरी अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने सोमवार को घोषणा की कि 2025-26 मार्केटिंग वर्ष में शुगर मिलों और डिस्टिलरी को एथेनॉल उत्पादन के लिए किसी भी प्रकार की मात्रात्मक सीमा नहीं होगी। यह मार्केटिंग वर्ष नवंबर से अक्टूबर तक चलेगा। इस फैसले का उद्देश्य देश में एथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा देना और पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम को गति देना है।

फूड मंत्रालय द्वारा जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, शुगर मिलों और डिस्टिलरी को इस दौरान गन्ने के रस, शुगर सिरप, बी-हेवी और सी -हेवी मोलासेस से एथेनॉल बनाने की अनुमति दी गई है। मंत्रालय ने यह भी बताया कि पेट्रोलियम मंत्रालय के साथ मिलकर शुगर के एथेनॉल उत्पादन में उपयोग को नियमित रूप से समीक्षा की जाएगी, ताकि घरेलू बाजार में चीनी की आपूर्ति में कोई बाधा न आए।

सन्दर्भ के तौर पर, चालू ईएसवाई 2024-25 में सरकार ने 40 लाख टन चीनी को एथेनॉल उत्पादन के लिए डायवर्ट करने की अनुमति दी थी। इस बार की नीति से उम्मीद है कि एथेनॉल उत्पादन और मिश्रण में वृद्धि होगी, जिससे देश के ईंधन सुरक्षा लक्ष्यों को भी बल मिलेगा। ईंधन में एथेनॉल मिश्रण को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल मार्केटिंग कंपनियां (ओएमसी) पेट्रोल के साथ एथेनॉल का मिश्रण बेचती हैं। वर्तमान ईएसवाई 2024-25 में ओएमसी ने 31 जुलाई 2025 तक औसत 19।05 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण हासिल किया है।

राष्ट्रीय बायोफ्यूल नीति 2018, जिसे 2022 में संशोधित किया गया था, ने एथेनॉल मिश्रण का 20 प्रतिशत लक्ष्य 2030 से आगे बढ़ाकर ईएसवाई 2025-26 कर दिया। इस लक्ष्य को हासिल करने में इस फैसले से बड़ी मदद मिलने की उम्मीद है।

विशेषज्ञों का कहना है कि मात्रात्मक प्रतिबंध हटने से शुगर मिलों और डिस्टिलरी में निवेश बढ़ सकता है, उत्पादन क्षमता में सुधार होगा और किसानों को अतिरिक्त आय के अवसर मिलेंगे। साथ ही, यह नीति भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और आयातित ईंधन पर निर्भरता कम करने में सहायक होगी। ईएसवाई 2025-26 के शुरू होने के साथ ही उद्योग के स्टेकहोल्डर्स एथेनॉल उत्पादन बढ़ाने के लिए तैयार हैं। यह नीति न केवल ऊर्जा और कृषि क्षेत्र को लाभ पहुंचाएगी, बल्कि देश में स्थायी ईंधन पहल को भी मजबूती प्रदान करेगी।

भारत ने तांबे पर 50 फीसदी टैरिफ को लेकर अमेरिका से मांगा परामर्श, जल्द बातचीत होने की उम्मीद

भारत ने तांबे के उत्पादों पर लगाए गए 50% शुल्क को लेकर मंगलवार को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के सुरक्षा समझौते के तहत अमेरिका के समक्ष परामर्श की मांग रखी है। यह कदम भारत की तरफ से इस्पात, एल्युमीनियम व वाहन कलपुर्जों पर अमेरिकी शुल्क के जवाब में चुनिंदा अमेरिकी उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाने का अधिकार सुरक्षित रखने के बाद उठाया गया है। अमेरिका ने इस वर्ष 30 जुलाई को तांबे के कुछ उत्पादों के सभी आयात पर 50 फीसदी शुल्क लगाने का उपाय अपनाया था। यह उपाय इस साल एक अगस्त से असीमित अवधि के लिए लागू किया गया। डब्ल्यूटीओ के एक पत्र में कहा गया, भारत का मानना है कि यह कदम वैसे तो सुरक्षा हितों के लिए उठाए जाने का दावा किया गया है, वास्तव में एक सुरक्षा उपाय है। इसमें कहा गया है कि अमेरिका ने सुरक्षा उपाय लागू करने के निर्णय के बारे में विश्व व्यापार संगठन की सुरक्षा समिति को सूचित नहीं किया है। इसलिए भारत अमेरिका के साथ परामर्श का अनुरोध करता है। विश्व व्यापार संगठन ने आगे कहा, भारत इस अनुरोध पर अमेरिका से जल्द से जल्द उत्तर पाने और परामर्श के लिए पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तिथि और स्थान निर्धारित करने की आशा करता है।

चीन की विक्ट्री डे परेड में पहली बार दिखी ये परमाणु मिसाइल, जानें कितनी घातक

बीजिंग। चीन की राजधानी बीजिंग इस बुधवार को अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों का सबसे बड़ा मंच बन गया। मौका था दूसरे विश्व युद्ध में जापान की हार के 80 साल पूरे होने का। थियानमेन चौक पर धूमधाम से विक्ट्री डे परेड का आयोजन हुआ, जिसमें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग की तिकड़ी नजर आई। करीब 25 देशों के बड़े नेता मंच पर मौजूद रहे।

शी जिनपिंग ने मंच से साफ संदेश दिया कि चीन किसी की धमकियों से नहीं डरता। इसके तुरंत बाद परेड शुरू हुई और चीन ने अपनी सैन्य ताकत पूरी दुनिया को दिखाई। इस परेड में चीन ने पहली बार अपने न्यूक्लियर हथियारों का असली दमखम दिखाया। बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक इसमें हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल्स, वाईजे-21 एंटी-शिप क्रूज मिसाइल, JL-3 सबमरीन लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइल जैसे घातक हथियार शामिल थे। लेकिन सबकी नजर जिस हथियार पर टिक गई, वह थी चीन की नई DF-5C इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल।

DF-5C क्यों है खास?

DF-5C मिसाइल जल्द ही सेना में शामिल की जाएगी और इसे हाल ही में पहली बार सार्वजनिक तौर पर दिखाया गया है। ये दरअसल चीन की पुरानी DF-5 सीरीज का एडवांस वर्जन है, लेकिन इसकी क्षमताएं कहीं ज्यादा खतरनाक हैं। सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसकी मारक क्षमता 20,000 किलोमीटर तक मानी जा रही है।

यानी धरती पर ऐसा कोई इलाका नहीं बचता जहां तक यह मिसाइल न पहुंच सके। इतना ही नहीं, यह मिसाइल अकेले नहीं आती, बल्कि एक साथ 10 वारहेड्स ले जाने की क्षमता रखती है। मतलब एक मिसाइल से चीन एक ही समय में 10 अलग-अलग टारगेट्स पर हमला कर सकता है।

बिजली जैसी रफ्तार और घातक तकनीक

Global Times की एक खबर के मुताबिक DF-5C की स्पीड भी कमाल की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह कई गुना ध्वनि की गति (Mach) से उड़ती है। इतनी तेज रफ्तार में दुश्मन के पास इसे रोकने का लगभग कोई मौका नहीं रहता। इसमें लगे वॉरहेड्स न्यूक्लियर भी हो सकते हैं, पारंपरिक भी और डमी (फेक) भी। यानी दुश्मन को असली-नकली का फर्क तक समझ नहीं आएगा।

यही नहीं, चीन ने इसमें अपना Beidou Navigation System लगाया है, जिससे यह मिसाइल बेहद सटीक निशाना साध सकती है। चाहे टारगेट 20,000 किलोमीटर दूर हो या 200, DF-5C दूर-दराज के टारगेट्स पर भी उतनी ही सटीकता से हमला कर सकती है, जितना नजदीकी मिसाइलें कर पाती हैं।

चीन के इस मिलिट्री शो ऑफ के मायने क्या हैं?

आसान शब्दों में कहें तो, DF-5C चीन की सबसे बड़ी परमाणु ढाल है। इसकी रेंज, स्पीड और मल्टीपल वारहेड्स इसे किसी भी दुश्मन के लिए बुरे सपने जैसा बना देते हैं। बीजिंग ने इसे विक्ट्री डे परेड में दिखाकर साफ कर दिया है कि वह अब अपनी न्यूक्लियर ताकत को छिपाने वाला नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को खुलकर दिखाने के मूड में है। रिपोर्ट्स कहती हैं कि बीजिंग ने इस शो ऑफ के जरिए यह जताने की कोशिश की है कि वह अब अमेरिका का विकल्प बनकर गैर-पश्चिमी देशों का नेतृत्व करने की स्थिति में है।

बीजिंग दौरे से पुतिन का बढ़ा हौसला, जिनपिंग जारी रखेंगे हथियारों की सप्लाई, तेज होंगे यूक्रेन पर हमले

बीजिंग। चीन की राजधानी बीजिंग बुधवार को इतिहास और ताकत दोनों का गवाह बनी। यहां दूसरे विश्व युद्ध में जापान की हार के 80 साल पूरे होने पर भव्य विक्ट्री डे परेड आयोजित हुई। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने थियानमेन चौक पर परेड की सलामी ली और कहा कि चीन किसी धमकी से नहीं डरता, हमेशा आगे बढ़ता है और अपने सैनिकों का सम्मान करना जानता है।

इस मौके पर चीन ने अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन किया। खास बात यह रही कि मंच पर शी जिनपिंग के साथ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन भी मौजूद थे। यह पहला मौका था जब तीनों नेता एक साथ सार्वजनिक मंच पर नजर आए। इस दौरे से पुतिन का हौसला बुलंद हुआ है क्योंकि चीन ने साफ कह दिया है कि वो रूस को हथियारों की सप्लाई जारी रखेगा।

पुतिन और किम की हुई मुलाकात

विक्ट्री परेड के बाद पुतिन और किम जोंग-उन के बीच मुलाकात हुई। किम ने कहा कि अगर किसी भी तरह हम रूस की मदद और समर्थन कर सकते हैं, तो हम हमेशा करेंगे। यह हमारा भाईचारे का फर्ज है। पुतिन ने भी दोस्ती का हाथ बढ़ाते हुए कहा कि अब रूस और उत्तर कोरिया के रिश्ते एक सच्चे गठबंधन में बदल चुके हैं। उन्होंने याद दिलाया कि द्वितीय विश्व युद्ध में रूस के कुर्स्क क्षेत्र की आजादी में उत्तर कोरिया की स्पेशल यूनिट्स ने बहादुरी से लड़ाई लड़ी थी और रूस इस बलिदान को कभी नहीं भूलेगा।

रूस को सप्लाई जारी रखेगा चीन

परेड और बैठकों से साफ संदेश निकला कि रूस को चीन का समर्थन और मजबूत मिलेगा। पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों की वजह से रूस को हथियारों और जरूरी सामान की सप्लाई में दिक्कतें हो रही थीं। लेकिन चीन ने साफ कर दिया है कि वह इन दबावों की परवाह नहीं करता। बीजिंग रूस को डबल-यूज हथियारों यानी ऐसे हथियार जिनका इस्तेमाल नागरिक और सैन्य दोनों कामों में हो सकता है, उसकी सप्लाई जारी रखेगा।

यूक्रेन पर बढ़ सकते हैं हमले

अमेरिका और पश्चिमी देशों की आपत्तियों को नजरअंदाज करते हुए चीन का ये कदम पुतिन के लिए बड़ी राहत है। विशेषज्ञ मानते हैं कि पुतिन की यह चीन यात्रा उनके आत्मविश्वास को और बढ़ाएगी। रूस अब अमेरिका के दबाव में आने वाला नहीं है। माना जा रहा है कि बीजिंग से लौटने के बाद पुतिन और ज्यादा आक्रामक रुख अपनाएंगे और यूक्रेन पर हमले तेज हो सकते हैं।

अमेरिकी नौसेना ने वेनेजुएला से आया ड्रग्स भरा जहाज बीच समुद्र में उड़ाया, 11 की मौत, ट्रंप ने दी चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। दक्षिणी कैरेबियन सागर में अमेरिकी सेना ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मंगलवार (2 सितंबर) को एक ड्रग्स से भरे जहाज को निशाना बनाया है। इस स्ट्राइक में 11 लोगों की मौत हो गई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि यह जहाज वेनेजुएला से रवाना हुआ था और इसे खतरनाक ट्रेन डी अरागुआ गिरोह चला रहा था।

ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा, ₹अमेरिकी सेना ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में यह कार्रवाई की, जब जहाज अमेरिका की ओर अवैध मादक पदार्थ पहुंचाने की कोशिश कर रहा था। इस ऑपरेशन में किसी अमेरिकी सैनिक को नुकसान नहीं हुआ। जो लोग अमेरिका में ड्रग्स लाने का सोच रहे हैं, उनके लिए यह एक सख्त चेतावनी है।₹

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इस अभियान को 'घातक हमला' करार दिया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि जिस जहाज पर कार्रवाई की गई, वह एक नामित नार्को-आतंकी संगठन के नियंत्रण में था। रुबियो ने मंगलवार को ऐसे समय पर इस हमले को लेकर बयान दिया, जब वे मेक्सिको और इक्वाडोर के दौरे पर रवाना होने वाले थे। इस दौरे में वे ड्रग कार्टेल, सुरक्षा, टैरिफ और अन्य अहम मुद्दों पर चर्चा करेंगे। हाल ही में अमेरिका ने वेनेजुएला के नजदीकी समुद्री इलाकों में अपनी नौसेना की मौजूदगी और ताकत बढ़ाने की योजना बनाई है ताकि लैटिन अमेरिकी ड्रग कार्टेल से पैदा हो रहे खतरों का मुकाबला किया जा सके।

वेनेजुएला ने बॉर्डर पर तैनात किए सैनिक

AP की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने भले ही अब तक जमीनी हमले की कोई योजना नहीं बताई है, लेकिन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने एहतियातन वेनेजुएला की समुद्री सीमा और कोलंबिया से सटी सीमा पर सैनिक तैनात कर दिए हैं। साथ ही नागरिकों से मिलिशिया में शामिल होने की अपील की है। मादुरो का आरोप है कि अमेरिका झूठा नैरेटिव गढ़ रहा है कि वेनेजुएला मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल है, ताकि उनकी सरकार को सत्ता से हटाया जा सके। उन्होंने और उनके अधिकारियों ने बार-बार संयुक्त राष्ट्र की उस रिपोर्ट का जिक्र किया है जिसमें कहा गया है कि कोलंबिया में बनने वाली कोकीन का सिर्फ 5% ही वेनेजुएला के रास्ते तस्करी करने की कोशिश की जाती है। गौरतलब है कि कोलंबिया और बोलीविया दुनिया के सबसे बड़े कोकीन उत्पादक देश हैं।

संयुक्त राष्ट्र वर्ल्ड ड्रग रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

संयुक्त राष्ट्र की ताजा वर्ल्ड ड्रग रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिण अमेरिका के कई देशों जैसे कोलंबिया, इक्वाडोर और पेरू ने 2022 में 2021 की तुलना में ज्यादा कोकीन जब्त की है, लेकिन रिपोर्ट में वेनेजुएला की कोई खास भूमिका नहीं बताई गई, जबकि हाल के महीनों में व्हाइट हाउस उस पर लगातार आरोप लगा रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कोकीन तस्करी का सबसे बड़ा असर इक्वाडोर पर पड़ा है, जहां स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय अपराध गिरोहों, जिनका संबंध मेक्सिको और बाल्कन देशों से है, की वजह से हिंसा तेजी से बढ़ी है। वहीं, वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने सोमवार को पत्रकारों से कहा कि अगर अमेरिकी बलों ने कैरेबियन में उनके देश पर हमला किया, तो वे संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए वेनेजुएला को 'हथियारबंद गणराज्य' घोषित कर देंगे।

भारत-जर्मनी विदेश मंत्रियों की मुलाकात: रणनीतिक साझेदारी से लेकर FTA तक अहम मुद्दों पर चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और जर्मनी के रिश्ते और भी मजबूत हो रहे हैं। गुरुवार को दिल्ली में विदेश मंत्री एस। जयशंकर और जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान डेविड वेडफुल के बीच मुलाकात हुई। दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने और वैश्विक मुद्दों पर मिलकर काम करने का संकल्प जताया।

यह दौरा खास इसलिए भी है क्योंकि जर्मन विदेश मंत्री पहली बार भारत आए हैं और यह यूरोप से बाहर उनकी शुरुआती यात्राओं में शामिल है। उन्होंने बेंगलुरु जाकर भारत की टेक्नोलॉजी और इनोवेशन क्षमता का अनुभव किया और अपने साथ मजबूत कारोबारी प्रतिनिधिमंडल और सांसद भी लाईं।

क्या चर्चा हुई?

बैठक में दोनों नेताओं ने आने वाले Inter-Governmental Consultations की तैयारी की रूपरेखा तय की। भारत ने जर्मनी से उम्मीद जताई कि वह यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते (FTA) की वार्ता को तेज करने में मदद करेगा। साथ ही, इंडो-पैसिफिक, यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया जैसे वैश्विक-क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचार साझा किए गए।

जयशंकर ने कहा, भारत और जर्मनी 25 साल की रणनीतिक साझेदारी, 50 साल के वैज्ञानिक सहयोग, 60 साल पुराने सांस्कृतिक समझौतों और एक सदी से भी अधिक लंबे कारोबारी रिश्तों का उत्सव मना रहे हैं। हमें यकीन है कि आने वाले समय में ये सहयोग और गहरा होगा।

अपनी वार्ता शुरू करते हुए जयशंकर ने वाडेफुल से कहा, “यूरोपीय संघ के साथ हमारे संबंधों को गहरा करने और मुक्त व्यापार समझौते (FTA) पर बातचीत में तेजी लाने के लिए हम आपके सहयोग पर भरोसा करते हैं।

क्यों अहम है भारत-जर्मनी रिश्ता?

•जर्मनी, यूरोप में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।

•2024-25 में द्विपक्षीय व्यापार लगभग 26 अरब डॉलर तक पहुंचा।

•दोनों देश बहुपक्षीय मंचों पर लंबे समय से एक-दूसरे का साथ देते रहे हैं।

आगे का रास्ता

विशेषज्ञ मानते हैं कि जर्मन विदेश मंत्री का यह दौरा भारत-जर्मनी रिश्तों को नई दिशा देगा और FTA पर ठोस प्रगति की जमीन तैयार करेगा। आने वाले महीनों में होने वाली Inter-Governmental Consultations इन साझेदारियों को और मजबूती देगी।

जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वेडफुल मंगलवार सुबह भारत की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर बेंगलुरु पहुंचे।विदेश मंत्रालय (MEA) की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, यह यात्रा 2 सितंबर से 3 सितंबर तक चलेगी।

‘सुप्रीम कोर्ट नजदीक है इसलिए सभी यहां चले आते हैं’, ठग सुकेश चंद्रशेखर की पत्नी लीना की याचिका पर बोले जज

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर की पत्नी लीना पॉलोज को कड़ी फटकार लगाई। लीना पॉलोज 200 करोड़ रुपये की रंगदारी के मामले में अपनी जमानत अर्जी पर दिल्ली हाई कोर्ट से जल्द सुनवाई चाह रही थीं। इसी के चलते उसने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। जल्द सुनवाई चाहने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख करने पर जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच ने लीना को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा, मामलों की जल्द सुनवाई के लिए सीधे सुप्रीम कोर्ट आना स्वीकार्य नहीं है।

इसको लेकर बेंच ने कहा, यह स्वीकार्य नहीं है। सिर्फ इसलिए कि सुप्रीम कोर्ट नजदीक है, हर कोई यहां आ जाता है और फिर तारीख आगे बढ़ाने की मांग करता है।

वकील ने क्या कहा?

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद पॉलोज की ओर से पेश हुए वकील ने दलील दी कि हाई कोर्ट में हर रोज सूचीबद्ध होने के बावजूद, मामले की सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि मामला बुधवार को भी सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। इसी के साथ उन्होंने फिर सुप्रीम कोर्ट से गुज़ारिश की कि इस याचिका को आगे टाल दिया जाए, क्योंकि हाई कोर्ट में इस मामले की सुनवाई बुधवार को तय है। वकील की बात मानते हुए बेंच ने केस को आगे के लिए टाल दिया।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट पॉलोज की तरफ से दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उनकी जमानत याचिका पर जल्द सुनवाई करने की मांग की गई थी। लेकिन, अब सुप्रीम कोर्ट ने मामले को स्थगित कर दिया है।

चंद्रशेखर पर क्या हैं आरोप?

दिल्ली पुलिस ने पॉलोज के पति चंद्रशेखर पर रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटरों शिविंदर सिंह और मालविंदर सिंह की पत्नियों से 200 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। देश में उनके खिलाफ कई अलग-अलग जांचें चल रही हैं। चंद्रशेखर और पॉलोज, जो प्रवर्तन निदेशालय के एक धन शोधन मामले में भी कार्यवाही का सामना कर रहे हैं, उनको दिल्ली पुलिस ने जबरन वसूली के मामले में गिरफ्तार किया था।

पुलिस ने इस मामले में महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) भी लगाया है। दिल्ली पुलिस ने आरोप लगाया कि पॉलोज, चंद्रशेखर और बाकी आरोपियों ने अपराध से प्राप्त धन को ठिकाने लगाने के लिए हवाला के रास्ते अपनाए और फर्जी कंपनियां बनाईं।

अंकिता लोखंडे को ट्रेडिशनल लुक में देख फैंस को याद आईं मधुबाला

टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री अंकिता लोखंडे सिर्फ अपनी एक्टिंग के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। अंकिता ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इसके बाद फैंस ने उनकी तुलना गुजरे जमाने की मशहूर अदाकारा मधुबाला से कर डाली।

टीवी सीरियल पवित्र रिश्ता फेम अंकिता लोखंडे ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। वह सी-ग्रीन कलर की साड़ी के साथ के साथ मैचिंग ब्लाउज कैरी किया है। अपने लुक को और आकर्षक बनाने के लिए उन्होंने राउंड इयररिंग्स, नेकलेस, मल्टीकलर की चूड़ी और मांग में सिंदूर लगाया हुआ है।

पोस्ट में अभिनेत्री का स्टाइलिश लुक और दिलकश अदाएं फैंस को काफी लुभा रही हैं। अंकिता लोखंडे कभी चेयर पर बैठकर तो कभी दीवार से सटकर हैंडबैग के साथ कैमरे के सामने पोज देती नजर आईं। अंकिता ने कैप्शन में लिखा, वह समय से परे है। वह अपने पूर्वजों की गूंज, माताओं की दुआ और आने वाली बेटियों का वादा है।

अभिनेत्री का यह पोस्ट फैंस के दिल को भा गया है। वे उन्हें क्वीन, गॉर्जियस, और अप्सरा जैसे शब्दों से उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे।

एक यूजर ने लिखा, मधुबाला तो दूसरे ने लिखा, सिर्फ बिंदी नहीं, आपका खूबसूरत चेहरा और यह साड़ी, इतनी प्यारी लग रही है, क्या ही बोलूं।

एक और यूजर ने लिखा, आप साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। एक ने लिखा, आप कितनी सुंदर लग रही हो।

अंकिता लोखंडे ने टीवी सीरियल पवित्र रिश्ता में अर्चना मनोहर देशमुख नाम का किरदार निभाया था और उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई थी। उनके साथ मुख्य भूमिका में सुशांत सिंह राजपूत थे।

छोटे पर्दे के अलावा अंकिता मणिकर्णिकाः द क्वीन ऑफ झांसी, बागी 3, द लास्ट कॉफी और स्वातंत्र्य वीर सावरकर जैसी फिल्मों में काम चुकी हैं। मणिकर्णिका से उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा था। फिल्म में उनके किरदार का नाम झलकारी बाई था।

वहीं स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर पर आधारित फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर में उन्होंने यमुना बेई सावरकर के नाम का किरदार निभाया था।

अक्षरा सिंह का जबरदस्त डांस वीडियो हुआ वायरल, फैंस के उड़े होश; बोले- 'फायर है...'

भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में अक्षरा के डांस स्टेप्स फैंस के होश उड़ा रहे हैं।

अक्षरा सिंह ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक खास वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में अक्षरा कोरियोग्राफर के साथ डांस करती नजर आ रही हैं। उनका यह किलर अंदाज फैंस के बीच पसंद किया जा रहा है।

वायरल वीडियो

अक्षरा सिंह ने आज अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक खास बीटीएस वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में अक्षरा ब्लैक शाइनिंग ड्रेस में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। इस वीडियो में अक्षरा किरियोग्राफर एमके गुप्ता जॉय के डांस स्टेप्स फॉलो करती दिखाई दे रही हैं। डांस रिहर्सल के आखिर में अक्षरा का क्यूट अंदाज फैंस को बेहद पसंद आ रहा है, जब उन्होंने कोरियोग्राफर की ओर इशारा करते हुए अपना डांस स्टेप खत्म किया।

अक्षरा का पोस्ट और फैंस के कमेंट्स

इस शानदार डांस वीडियो के साथ अक्षरा ने कैप्शन में लिखा, 'रिहर्सल मोड BTS सुपर टेलेंटेड एमके गुप्ता जॉय।' अक्षरा के इस डांस वीडियों पर फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं। एक फैन ने लिखा, 'सुपर शेरनी', एक और फैन ने लिखा, 'बहुत अच्छा गाना है अक्षरा जी', एक और फैन ने लिखा, 'सुपरहिट है गाना', एक और फैन ने लिखा, 'शानदार', एक और फैन ने लिखा, 'मुझे आपका गाना बहुत अच्छा लगता है', एक और फैन ने लिखा, 'फायर मैडम।'

अक्षरा सिंह का करियर

अक्षरा सिंह को एक्शन ड्रामा फिल्म 'तबादला', राजनीतिक ड्रामा फिल्म 'सरकार राज' और एक्शन रोमांस फिल्म 'सत्या' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। हाल ही में अक्षरा भोजपुरी फिल्म 'रुद्र-शक्ति' में नजर आईं। इस फिल्म में उनके साथ विक्रांत सिंह राजपूत भी मुख्य भूमिका में नजर आए। यह फिल्म भक्ति, प्रेम और एक्शन से भरपूर है। इसकी कहानी महादेव के प्रति भक्ति भाव के इर्द-गिर्द घूमती नजर आई।

राघव लॉरेंस और उनके भाई एल्विन अभिनीत सुपर-नैचुरल एक्शन थ्रिलर बुलेट का तेलुगु टीज़र जारी

डिस्को शांति श्रीहरि 28 साल बाद बुलेट के साथ सिनेमा में वापसी कर रही हैं। फाइव स्टार क्रिएशंस के काथिरेसन, जिन्होंने इन्नासी पांडियन द्वारा निर्देशित और अरुलनिथी अभिनीत सफल फिल्म डायरी का निर्माण किया था, अब राघव लॉरेंस अभिनीत सुपर-नैचुरल एक्शन थ्रिलर बुलेट के लिए निर्देशक के साथ फिर से काम कर रहे हैं।

राघव लॉरेंस और उनके भाई एल्विन इस फिल्म में मुख्य भूमिकाएँ निभा रहे हैं, जो एक तेज़-तर्रार फिल्म होगी। यह फिल्म तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में एक साथ बनाई गई है।

अभिनेता विशाल, एसजे सूर्या, पृथ्वीराज और जीवी प्रकाश कुमार ने आज बुलेट के तमिल संस्करण का टीज़र जारी किया, जबकि नागा चैतन्य ने तेलुगु संस्करण का टीज़र जारी किया। उन्होंने टीज़र को इस तरह से बनाने के लिए टीम की प्रशंसा की जिससे फिल्म के लिए उम्मीदें बढ़ गई हैं।

80 और 90 के दशक में फैन्स की ड्रीम गर्ल रहीं अभिनेत्री डिस्को शांति श्रीहरि इस फिल्म के साथ 28 साल बाद फिल्म इंडस्ट्री में वापसी कर रही हैं। गौरतलब है कि उन्होंने 1997 के बाद से फिल्मों में काम नहीं किया है। डिस्को शांति श्रीहरि ने फिल्म बुलेट में अहम भूमिका निभाई है।

शूटिंग चेन्नई, तेनकासी और केरल सहित अन्य स्थानों पर हुई। इस फिल्म में वैशाली राज, सुनील, अरविंद आकाश, काली वेंकट, रंगराज पांडे, आर. सुंदरराजन, चाम्स, शिव शारा, केपीवाई विनोथ, वीजे थानिकाई एना सेंद्रायण महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

फिल्म के बारे में बात करते हुए, निर्देशक इन्नासी पांडियन ने कहा, यह एक पूर्ण लंबाई वाली सुपर-नैचुरल एक्शन थ्रिलर है। दर्शकों तक यह बात पहुँचाने के लिए टीज़र को अच्छी तरह से तैयार किया गया है। मैं इस कहानी को अपनी पहली फिल्म के रूप में निर्देशित करने वाला था, लेकिन कुछ कारणों से यह संभव नहीं हो सका। इसलिए, मैंने इसे अपनी दूसरी फिल्म के रूप में बनाया है। निर्माता कथिरेसन को उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद।

सैम सीएस ने फिल्म के लिए संगीत तैयार किया है, जबकि डेमोंटे कॉलोनी और डायरी जैसी फिल्मों के छायाकार अरविंद सिंह ने छायांकन का काम संभाला है। वदिवेल विमलराज ने संपादन का काम संभाला है और फैंटम प्रदीप स्टंट के लिए ज़म्मिदार हैं।

राघव लॉरेंस और उनके भाई एल्विन अभिनीत फिल्म बुलेट जिसका निर्देशन इन्नासी पांडियन ने किया है और निर्माण फाइव स्टार क्रिएशंस के कथिरेसन ने किया है, जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पति से पहले उठो, सास की मदद करो...बेटी ईशा देओल को आदर्श बहू बनाना चाहती थीं हेमा मालिनी

हिंदी सिनेमा के दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की बेटी ईशा देओल की निजी जिंदगी एक बार फिर से सुर्खियों का हिस्सा बन गई है। इसके पीछे की वजह ये है कि ईशा के एक्स हसबैंड भरत तख्तानी की जिंदगी में नए प्यार की एंट्री हो गई है। साल 2024 में ईशा और भरत ने आपसी सहमति के साथ अलग होने का फैसला किया और सभी के सामने इस बात का ऐलान भी किया। लेकिन जहां ईशा सिंगल मदर के रूप में अपनी बेटियों की परवरिश कर रही हैं। वहीं भरत अपनी नई जिंदगी की शुरुआत करने जा रहे हैं।

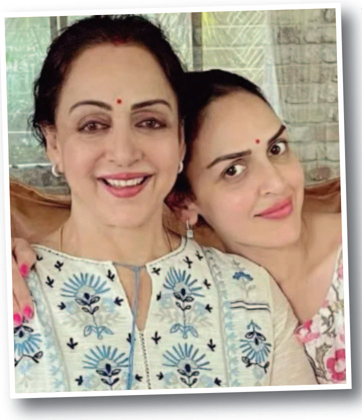

इसी बीच ईशा देओल का एक पुराना इंटरव्यू काफी वायरल हो रहा है, जिसमें एक्ट्रेस ने बताया था कि उनकी मां हेमा मालिनी क्या चाहती हैं। वो उन्हें किस तरह की बहू के रूप में देखना चाहती थीं। दरअसल ईशा ने खुलासा किया था कि मम्मी हेमा चाहती थीं कि उनकी बेटी एक आदर्श बहू बनें। वो रोजाना अपने पति से पहले उठें और अपनी सास की कामों में मदद भी करें।

इतना ही नहीं ईशा ने ये भी बताया था कि मां हेमा ने उनसे कहा था कि वो काम के साथ-साथ घर की सारी जिम्मेदारियों को बैलेंस भी करें। अपनी जिम्मेदारियों को समझे और उन्हें अच्छे से निभाएं भी। यानी कुल मिलाकर हेमा मालिनी अपनी बेटी को परफेक्ट बहू बनने के बारे में कहा करती थीं। ईशा ने अपनी मां की बातों को हमेशा माना। उसी इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस के एक्स हसबैंड ने खुद इस बात को कबूला था कि ईशा घरेलू हैं।

भरत ने ईशा की तारीफ करते हुए कहा था कि जब वह शादी करके घर आई थीं तो उन्हें चाय तक बनाना नहीं आता था। लेकिन सिर्फ उनके लिए ईशा ने हर काम हर चीज सीखी। भरत ने अपने परिवार और ईशा के बीच के रिश्ते को लेकर कहा था कि वह बहुत कम वक्त में ही परिवार के साथ घुल-मिल गई थीं। ईशा खुद भी इस बात का खुलासा कर चुकी हैं कि उन्हें भरत के काम करना अच्छा लगता था। वह खुद अपने हाथों से उनके हर छोटे-बड़े काम किया करती थीं।

एक्स हसबैंड की जिंदगी में नया प्यार

ईशा देओल और भरत तख्तानी के बीच इतना प्यार होने के बाद भी 11 साल बाद दोनों ने तलाक लेने का फैसला किया। हालांकि तलाक के बाद ईशा और भरत मिलकर अपनी दोनों बेटियों की परवरिश कर रहे हैं। वहीं बीते दिनों भरत ने एक लड़की के साथ सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर की थी और उन्हें बेटर हाफ कहा था। ऐसा माना जा रहा है कि भरत दोबारा शादी के बंधन में भी बंध सकते हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा।
RNI No: UPHIN/2014/57034
Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय
सम्पर्क: 9839909595, 8765295384
Email: aryavartkrantidainik@gmail.com